



संक्षिप्त

समाचार

बेंगलुरु में सीजेपी का प्रदर्शन

● दीपके ने वोट चोर के नारे लगावाए; कहा- वन नेशन, वन पार्टी भाजपा का मकसद बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में गुरुवार को काँकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन हुआ। सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके, यूट्यूबर ध्रुव राठी और एक्टर प्रकाश राज एसआईआर रह करन और सीईसी ज्ञानेश



कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन में शामिल हुए। दीपके ने प्रदर्शनकारियों से ‘नरेंद्र मोदी वोट चोर’ और ‘एसआईआर रह करो’ के नारे लगावाकर अपने भाषण की शुरुआत की। उन्होंने कहा- पीएम मोदी ने वोट चोरी करके चुनाव जीता। जिंदा लोगों को मृत घोषित कर दिया गया। यह लोकतंत्र की हत्या है। भाजपा ‘वन नेशन, वन इलेक्शन’ का नारा देती है, जबकि उनका मकसद ‘वन नेशन, वन पार्टी’ बनाने का है।

वाराणसी में शिंजो आबे मेमोरियल कारिडोर का उद्घाटन

भारत-जापान मित्रता को मिलेगा सम्मान : पीएम मोदी

वाराणसी (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को जापान के दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की पत्नी अकी आबे से मुलाकात की जानकारी सोशल मीडिया पर साझा की। उन्होंने कहा कि उनसे मिलकर उन्हें खुशी हुई। भारत के साथ उनके लंबे समय से चले आ रहे जुड़ाव की वह बहुत कद्र करते हैं।



मोदी ने शिंजो आबे को भारत का करीबी मित्र और दूरदर्शी नेता बताते हुए कहा कि उन्होंने भारत-जापान संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में अहम भूमिका निभाई थी। उनके अनुसार, वाराणसी के रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में कल ‘आबे मेमोरियल कारिडोर’ का उद्घाटन भारत-जापान मित्रता में आबे के अमूल्य योगदान के प्रति उचित सम्मान होगा। प्रधानमंत्री ने अकी आबे के साथ अपनी मुलाकात और कारिडोर के उद्घाटन को भारत-जापान संबंधों के संदर्भ में महत्वपूर्ण बताया। उनके संदेश में शिंजो आबे के योगदान और दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे जुड़ाव के प्रति सराहना व्यक्त की गई।

विपक्ष का राजघाट पर मार्च,महात्मा गांधी को दी श्रद्धांजलि

राहुल गांधी बोले- 300 सांसद शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना चाहते हैं



नईदिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में पिछले दो दिन से सियासत का एक ही पैटर्न दिख रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे विपक्षी सांसदों को लंच पर बुलाते हैं, सांसद खाना खाते हैं, फिर बसों में बैठकर निकल जाते हैं। राजघाट पहुंचकर महात्मागांधी को श्रद्धांजलि दी। फर्क इतना है कि बुधवार को मंजिल जंतर-मंतर थी और गुरुवार को राजघाट। कल धरना देने की कोशिश करते राहुल-प्रियंका को पुलिस ने उठाया था। राहुल के साथ सपा और टीएमसी समेत विपक्षी दलों के सांसद हैं। खाना होने से पहले खड़गे ने कहा कि राजघाट जाकर बापू से सरकार को सबबुद्धि देने की प्रार्थना करेंगे। राहुल ने दावा किया कि उनके साथ 300 से ज्यादा सांसद हैं।

दिल्ली में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि राज्यसभा और

लोकसभा के करीब 300 सांसद शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन करना चाहते हैं, लेकिन उन्हें लगातार दो दिनों से प्रदर्शन करने से जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने की इच्छा जताई, लेकिन वहां भी उन्हें रोक दिया गया। राहुल ने आरोप लगाया कि इस दौरान उनके

रोका जा रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि पहले दिन सांसदों को निर्वाचन आयोग के बाहर रोक दिया गया। इसके बाद उन्होंने



साथियों के साथ मारपीट की गई। राहुल गांधी ने राजघाट पहुंच कर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी।

राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि इंडिया गठबंधन के नेता गांधी स्मारक जा रहे हैं, जहां वे शांतिपूर्ण तरीके से धरना देकर वहां प्रार्थना की जाएगी कि भाजपा सरकार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को यह समझने की सद्बुद्धि मिले कि उनके फेसले देशहित में नहीं हैं। खरगे ने कहा कि ‘वोट चोरी’, बढ़ती महंगाई, युवाओं की समस्याओं और अन्य मुद्दों को लेकर विपक्ष सरकार के खिलाफ आवाज उठा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जनता के हितों के खिलाफ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि देश को आजादी महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और सरदार वल्लभभाई पटेल जैसे नेताओं के संघर्ष से मिली थी।

राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि इंडिया गठबंधन के नेता गांधी स्मारक जा रहे हैं, जहां वे शांतिपूर्ण तरीके से धरना देकर वहां प्रार्थना की जाएगी कि भाजपा सरकार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को यह समझने की सद्बुद्धि मिले कि उनके फेसले देशहित में नहीं हैं। खरगे ने कहा कि ‘वोट चोरी’, बढ़ती महंगाई, युवाओं की समस्याओं और अन्य मुद्दों को लेकर विपक्ष सरकार के खिलाफ आवाज उठा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जनता के हितों के खिलाफ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि देश को आजादी महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और सरदार वल्लभभाई पटेल जैसे नेताओं के संघर्ष से मिली थी।

मोबाइल कांग्रेसमें पीएम मोदी बोले-

मोबाइल गुड गवर्नेस का बड़ा औजार बना

बैंक, अस्पताल अब फोन में, इससे 5 लाख करोड़ गलत हाथों में जाने से बचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिया मोबाइल कांग्रेस के दूसरे दिन पीएम मोदी ने कहा कि आज सरकार की बैंक, अस्पताल, सरकारी दफ्तर जैसी सैकड़ों सर्विसेज मोबाइल पर हैं। वहीं उन्होंने बताया कि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर से अब तक करीब 50 लाख करोड़ रुपए सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजे जा चुके हैं। इस सिस्टम की वजह से बिचैलियों और फर्जीवाड़े पर रोक लगी और लगभग 5 लाख करोड़ रुपए गलत हाथों में जाने से बच गए। इंडिया मोबाइल कांग्रेस का एआई और 6 प्रतिशत पर फोकस रहेगा। 2017 में हुआ पहला इवेंट सिर्फ भारत पर फोकस था, अब 100 से ज्यादा देश शामिल हुए हैं।



अब सिर्फ बातचीत का साधन नहीं रहा मोबाइल

पीएम मोदी ने कहा कि आज मोबाइल फोन केवल गपशप या वोट करने का जरिया नहीं रह गया है, बल्कि यह आम लोगों तक सरकारी सुविधाएं पहुंचाने का सबसे बड़ा माध्यम बन चुका है। भाषा या दूरी की रुकावटें खत्म हो गई हैं। अब लोगों को दफ्तरों के चक्कर काटने और लंबी लाइनों में खड़े होने की जरूरत नहीं पड़ती, जिससे उनका समय और पैसा दोनों बच रहा है।

4 दिन पहले कहा था- नहीं जानता, कल रहूं या नहीं; गोवा में कार्डियक अरेस्ट से निधन

पुणे में होगा नाना पाटेकर का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

नईदिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर का गुरुवार सुबह 75 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्हें गोवा स्थित घर में कार्डियक अरेस्ट हुआ था। उन्हें करीब 45 मिनट तक सीपीआई दी गई, लेकिन बचाया नहीं जा सका। अंतिम संस्कार पुणे के फॉर्महाउस में होगा। मणिपाल हॉस्पिटल के डॉ. शेखर सालकर के मुताबिक नाना पाटेकर का सुबह 5:20 बजे निधन हुआ। घटना के

वक्त नाना के साथ घर पर परिवार का कोई सदस्य नहीं था। उनके दोस्त और केयरटेकर मौजूद थे। अब शव का पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा। नाना पाटेकर की सामाजिक संस्था नाम फाउंडेशन के सीईओ गणेश थोरात ने बताया कि एक्टर का पार्थिव शरीर शाम 5 बजे तक फॉर्महाउस पहुंच सकता है। यहां अंतिम दर्शन की भी व्यवस्था की जाएगी।

नाना पाटेकर का 4 दिन पुराना आखिरी वीडियो सामने आया है। इसमें नाना पाटेकर ड्रम बजाते, डांस करते और मस्ती करते नजर आ रहे हैं। इस दौरान उन्होंने कहा था, ‘हम सभी को एक दिन जाना है। पता नहीं मैं कल यहां रहूंगा या नहीं।’



● ‘परिदा’ में विलेन बने, 3 नेशनल अवॉर्ड- नाना पाटेकर ने 100 से ज्यादा फिल्मों कीं। 1989 की फिल्म ‘परिदा’ में नाना ने अन्ना का किरदार निभाया, जिसके लिए उन्हें बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला। 1994 की ‘क्रांतिवीर’ के लिए उन्हें बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिला। 1996 की ‘अग्नि साक्षी’ के लिए भी उन्हें बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिला। इस तरह उन्हें करियर में 3 नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिले। भारतीय सिनेमा में योगदान के लिए नाना पाटेकर को 2013 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया।

● ‘परिदा’ में विलेन बने, 3 नेशनल अवॉर्ड- नाना पाटेकर ने 100 से ज्यादा फिल्मों कीं। 1989 की फिल्म ‘परिदा’ में नाना ने अन्ना का किरदार निभाया, जिसके लिए उन्हें बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला। 1994 की ‘क्रांतिवीर’ के लिए उन्हें बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिला। 1996 की ‘अग्नि साक्षी’ के लिए भी उन्हें बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिला। इस तरह उन्हें करियर में 3 नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिले। भारतीय सिनेमा में योगदान के लिए नाना पाटेकर को 2013 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया।

खरगे बोले- हमारा राजघाट पर शांतिपूर्ण धरना है

राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि इंडिया गठबंधन के नेता गांधी स्मारक जा रहे हैं, जहां वे शांतिपूर्ण तरीके से धरना देकर वहां प्रार्थना की जाएगी कि भाजपा सरकार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को यह समझने की सद्बुद्धि मिले कि उनके फेसले देशहित में नहीं हैं। खरगे ने कहा कि ‘वोट चोरी’, बढ़ती महंगाई, युवाओं की समस्याओं और अन्य मुद्दों को लेकर विपक्ष सरकार के खिलाफ आवाज उठा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जनता के हितों के खिलाफ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि देश को आजादी महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और सरदार वल्लभभाई पटेल जैसे नेताओं के संघर्ष से मिली थी।

ज्ञानेश कुमार के सपोर्ट में 42 पूर्व जजों का लेटर

एसआईआर को सही बताया, लिखा- बिना सबूत वोट चोरी के आरोप लोगों का भरोसा घटा सकते हैं



नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग और एसआईआर को लेकर जारी विवाद के बीच 42 पूर्व जजों ने सीईसी ज्ञानेश कुमार का समर्थन किया है। उन्होंने संवैधानिक संस्थाओं पर बिना सबूत आरोप लगाने से बचने की अपील की। पूर्व जजों ने एक लेटर पर साइन किए हैं। इसमें कहा गया है कि शिकायतें लोकतांत्रिक और कानूनी तरीकों से उठाई जानी चाहिए। उन्होंने एसआईआर प्रक्रिया को भी सही बताया है।

लखनऊ के मॉल में पानी घुसा, फरुखाबाद में ओले गिरे

● यूपी के 42 जिलों में बारिश का अलर्ट, छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में बिजली गिरने से 3 मौतें

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड, हिमाचल, मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ और झारखंड के आसपास बने ऊपरी हवा के साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कारण कई क्षेत्रों में बनी टूफ के कारण मौसम एक बार फिर बदल गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, पश्चिमी विक्षोभ के चलते ही छत्तीसगढ़ के 29 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट है। यहां 60किमी की रफ्तार



से हवाएं चलेंगी। बिजली गिरने से बिलासपुर में 3 लोगों की मौत हो गई। यूपी में बाद के बीच फिर से मौसम बिगड़ गया है। लखनऊ, बाराबंकी, सीतापुर और सुल्तानपुर समेत 5 शहरों में सुबह से रुक-रुक कर बारिश हो रही है। फरुखाबाद में ओले गिरे हैं।इधर, गोमती नदी का पानी 10वें दिन भी बढ़ रहा है। प्लासियो मॉल के चारों ओर पानी भर गया है। राज्य में आज 42 जिलों में बारिश का अलर्ट है। उत्तराखंड के चमोली में भारी बर्फबारी से हेमकुंड साहिब धाम बर्फ की सफेद चादर से ढक गया है।राजस्थान समेत उत्तर के 8 राज्यों में 12 अक्टूबर के बाद से रात में ठंडक बढ़ने लगेगी।

सोहना नागरिक अस्पताल में आग से सुरक्षा अधूरी, डेढ़ साल से अटका काम

एजेंसी गुरुग्राम । सोहना के नागरिक अस्पताल में आग जैसी आपात स्थिति से निपटने के लिए किए जा रहे सुरक्षा इंतजामों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। अस्पताल के आपातकालीन विभाग, बाह्य रोगी विभाग, ऑपरेशन कक्ष, सामान्य वार्ड, महिला एवं प्रसूति वार्ड तथा प्रसव कक्ष सहित पूरे परिसर में आग से बचाव के इंतजाम अभी तक पूरी तरह तैयार नहीं हो सके हैं। आग से सुरक्षा के लिए पाइपलाइन बिछाने का काम करीब डेढ़ साल से अधूरा पड़ा है। अस्पताल में प्रतिदिन करीब 700 से 750 मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं। इनमें अकेले बाह्य रोगी विभाग में करीब 600 मरीज आते हैं। इसके अलावा बड़ी संख्या में मरीजों के परिजन और तोमारदार भी अस्पताल में मौजूद रहते हैं। ऐसे में



आग से सुरक्षा की व्यवस्था अधूरी होना अस्पताल प्रशासन और मरीजों की सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। डेढ़ साल पहले शुरू हुआ था काम अस्पताल भवन को आग से सुरक्षित बनाने के लिए। अस्पताल विभाग के माध्यम से करीब डेढ़ साल पहले आग बुझाने की पाइपलाइन बिछाने का काम शुरू

कराया गया था। शुरूआत में काम धीमी गति से आगे बढ़ा, लेकिन पिछले करीब 6 महीने से यह पूरी तरह बंद पड़ा है। अब तक केवल करीब 40 प्रतिशत कार्य ही पूरा हो सका है। अस्पताल परिसर में पाइपलाइन बिछाने के लिए मंगाए गए लोहे के पाइप खुले स्थान पर पड़े हैं। लंबे समय से खुले में पड़े रहने और

बारिश के पानी के संपर्क में आने के कारण कई पाइपों में जंग लगने लगी है। रास्ते में रखे इन पाइपों के कारण मरीजों, तीमारदारों और अस्पताल कर्मचारियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। 10 से 12 बार पत्र लिखने के बावजूद काम अधूरा नागरिक अस्पताल की वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी नीरु यादव ने बताया कि पिछले 6 महीनों में काम पूरा करने के लिए लोक निर्माण विभाग को करीब 10 से 12 बार पत्र भेजे जा चुके हैं। इसके बावजूद काम दोबारा शुरू नहीं हो सका है। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि आग से सुरक्षा से जुड़ा काम जल्द पूरा होना जरूरी है, क्योंकि अस्पताल में प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज और उनके परिजन आते हैं। किसी भी आपात स्थिति में अस्पताल भवन से मरीजों को सुरक्षित

निकालना बड़ी चुनौती बन सकता है। अग्निशमन विभाग की अनुमति का इंतजार लोक निर्माण विभाग के उपमंडल अधिकारी सुरेंद्र कुमार के अनुसार, आग से सुरक्षा के लिए पाइपलाइन बिछाने का काम ठेकेदार ने शुरू किया था, लेकिन इसके लिए अग्निशमन विभाग से अनुमति लेना आवश्यक है। विभाग की ओर से अनुमति और प्रमाण पत्र की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। प्रमाण पत्र मिलने के बाद अधूरे कार्य को दोबारा गति देकर पूरा कराया जाएगा। हालांकि, अस्पताल में आग से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लंबे समय से चल रही देरी के कारण मरीजों और अस्पताल प्रशासन की चिंता बढ़ी हुई है। अस्पताल में प्रतिदिन सैकड़ों मरीजों की आवाजहोी को देखते हुए आग से बचाव के सभी आवश्यक इंतजाम जल्द पूरा करना महत्वपूर्ण माना जा

रहा है। सुरक्षा व्यवस्था में देरी पर उठ रहे सवाल अस्पताल जैसे संवेदनशील परिसर में आग से बचाव की व्यवस्था का अधूरा रहना कई सवाल खड़े करता है। अस्पताल में मरीजों की संख्या अधिक होने के साथ-साथ ऐसे मरीज भी होते हैं जिन्हें आपात स्थिति में स्वयं बाहर निकलने में कठिनाई हो सकती है। ऐसे में आग बुझाने की व्यवस्था, पर्याप्त जलापूर्ति और आपातकालीन निकासी से जुड़े इंतजामों का पूरी तरह तैयार रहना जरूरी है। फिलहाल अस्पताल प्रशासन की ओर से अधूरे कार्य को जल्द पूरा करने के लिए लोक निर्माण विभाग से लगातार संपर्क किया जा रहा है। अब देखना होगा कि आवश्यक अनुमति मिलने के बाद आग से सुरक्षा से जुड़ा यह काम कितनी जल्दी पूरा हो पाता है।

गढ़ी हरसरु में निमार्णाधीन इमारत से गिरकर राज मिस्त्री की दर्दनाक मौत



एजेंसी गुरुग्राम। सेक्टर-93 चौकी क्षेत्र के गढ़ी हरसरु में बुधवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। निमार्णाधीन इमारत का तीसरी मंजिल से गिरकर 50 वर्षीय राज मिस्त्री राम अवतार की मौत हो गई। वह मूल रूप से राजस्थान के दौसा जिले के रहने वाले थे और कई वर्षों से परिवार के साथ गढ़ी हरसरु में रहकर राज मिस्त्री का काम कर रहे थे। जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह करीब नौ बजे राम अवतार इमारत की तीसरी मंजिल पर काम कर रहे थे। इस दौरान ईंट, रोड़ी-बजरी ऊपर ले जाने के लिए

जाम के झाम से जूझे लोग, पैदल कार्यक्रम स्थल पहुंचे गायक

एजेंसी गुरुग्राम। जिले में बुधवार सुबह वीआईपी मूवमेंट के कारण कई जगह सड़कों पर वाहन रंगते नजर आए। दिल्ली से गुरुग्राम में प्रवेश के प्रमुख मार्ग सोहना रोड, राजीव चौक, इफको चौक और सिनेचर टावर, एमजी रोड समेत आसपास के इलाकों में ट्रैफिक व्यवस्था प्रभावित हो गई। दिल्ली-जयपुर हाईवे (एनएच-48) पर दिल्ली से गुरुग्राम की ओर 12 किलोमीटर से अधिक लंबा जाम लगा गया। शहर की अंदरूनी सड़कों पर भी सुबह से लेकर दोपहर तक यातायात बाधित रहा। जाम के कारण 10 से 15 मिनट के सफर में भी लगभग एक घंटे और इससे अधिक का समय लगा। जाम के चलते हरियाणावी गायक अमित सैनी रोहतकिया को



हाईवे पर अपनी गाड़ी छोड़कर पैदल ही कार्यक्रम स्थल तक जाना पड़ा। उनके साथ व्यक्तिगत सुरक्षार्कमी और अन्य लोग भी पैदल दिखाई दिए। कई नेताओं को भी समय पर कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अपने वाहन दूर छोड़कर पैदल ही कार्यक्रम स्थल तक पहुंचना पड़ा। एसीपी (यातायात मुख्यालय/हाईवे)

सत्यपाल यादव ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान यातायात व्यवस्था के लिए पहले ही तैयारी थी। वाहनों की संख्या अधिक होने से सड़कों पर यातायात दबाव बढ़ने से एनएच-48 पर वाहन कारकों को थोड़ी समस्या झेलनी पड़ी। पुलिसकर्मियों ने यातायात व्यवस्था को बनाए रखने के लिए प्रयास किए।

किराना स्टोर में चोरी करने वाले गिरफ्तार

एजेंसी नोएडा। सेक्टर-24 थाना पुलिस ने मोरना गांव के किराना स्टोर में चोरी करने वाले गिरोह का पदार्फश कर चार आरोपियों मंगलवार शाम गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के पास से चोरी किया गया सामान, अवैध हथियार और चोरी में इस्तेमाल औजार बरामद हुए। एडीसीपी मनीषा सिंह ने बताया कि सेक्टर-35 स्थित मोरना गांव निवासी अनिल कुमार महतो ने थाने में एकआईआर दर्ज कराई थी। उन्होंने पुलिस को बताया था कि गांव में उनका शिवांश जनरल स्टोर है। वह दो अक्तूबर की सुबह दुकान पर पहुंचे तो शटर का ताला टूटा मिला। अंदर घुसकर देखा तो सामान बिखरा पड़ा था। बदमाश रिफाईंड को तीन पेटी, 15 किलो तेल का दौन, 10 कोकोफिक के पैकेट, 20 सिगरेट के पैकेट, एक घरेलू गैस सिलेंडर और गल्ले में रखे दो हजार रुपये चोरी करके ले गए। एकआईआर दर्ज कर घटना का पदार्फाश करने के लिए टीम गठित की



गई। मंगलवार शाम चार आरोपियों को सिटी सेंटर से सेक्टर-12/22 जाने वाले रास्ते से गिरफ्तार किया गया। आरोपियों की पहचान बिहार के जिला अररिया के गांव रानीगंज निवासी सत्यम कुमार, मिर्जापुर के कीलापुर गांव निवासी विकास, शाहजहांपुर के हैतमपुर गांव निवासी अमन जाटव और गाजीपुर के मोहमदा गांव निवासी कृष्णा के रूप में हुई। चारों आरोपी वर्तमान में सेक्टर-66 स्थित मामूरा गांव में किराये पर रहते हैं। उनके पास से दुकान की बिक्री का सामान, एक गैस सिलेंडर, दो मुहर, दो चेक बुक, एक घड़ी, एक क्रेडिट कार्ड,

एक सीसीटीवी कैमरा, चोरी करने में इस्तेमाल लोहे का सब्बल और दो चाकू बरामद हुए। पूछताछ में पता चला कि गैंग का लीडर सत्यम कुमार है। लोहे के सब्बल का प्रयोग कर बंद मकान/दुकान के ताले एवं शटर तोड़कर चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। मोरना गांव में चोरी की घटना के बाद सामान को सेक्टर-33ए में नाले के पास छिपाकर रखा गया था। चोरी किए गए सामान को थोड़ा-थोड़ा करके आसपास के गांवों में घुम-फिरकर तथा मजदूरों को बेच देते थे। उससे मिलने वाली रकम को आपस में बांट लेते थे।

एमटी में सिविल इंजीनियरिंग के भविष्य पर मंथन, ट्रेस 2026 का शुभारंभ

एजेंसी नोएडा। एमटी विश्वविद्यालय के एमटी स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी द्वारा सिविल इंजीनियरिंग में बदलते रुझानों और हालिया प्रगति पर केंद्रित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन हद्रेस 2026हू के छठे संस्करण का शुभारंभ हुआ। सम्मेलन में टिकाऊ एवं मजबूत बुनियादी ढांचे के विकास, आधुनिक अनुसंधान, नवाचार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वचालन, नवीन निर्माण सामग्री तथा आपदा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों ने विचार रखे। सम्मेलन का उद्घाटन भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सलाहकार एवं सेवानिवृत्त वैज्ञानिक हृदहू तथा महासागर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के वरिष्ठ विशेषज्ञ डॉ. विजय कुमार, केंद्रीय मृदा एवं सामग्री अनुसंधान केंद्र, नई दिल्ली के निदेशक डॉ. मनीष गुप्ता, एमटी विश्वविद्यालय की कुलपति



प्रो. (डॉ.) बलचिंदर शुक्ला, राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के उप महानिदेशक श्री नलिन कुमार श्रीवास्तव, नेपाल की त्रिभुवन विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी संस्थान के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. (डॉ.) भोला एनएस घिमिरे तथा एमटी स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक प्रो. (डॉ.) मनोज कुमार पांडे ने किया। इस अवसर पर नेपाल की त्रिभुवन विश्वविद्यालय

के अभियांत्रिकी संस्थान के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. (डॉ.) भोला एनएस घिमिरे को उनके उल्लेखनीय अकादमिक योगदान और विशेषज्ञता के लिए एमटी विश्वविद्यालय की ओर से मानद प्रोफेसरशिप से सम्मानित किया गया। उद्घाटन अवसर पर डॉ. विजय कुमार ने पर्यावरण और बुनियादी ढांचे से जुड़ी जटिल चुनौतियों का समाधान करने में वैज्ञानिक एवं तकनीकी प्रगति के

ले सकते। इंजीनियरों को उन भवनों और संरचनाओं की सुरक्षा के प्रति अत्यंत सजग और जिम्मेदार रहना होगा, जिनका निर्माण उनके निर्देशन में होता है। एमटी विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. (डॉ.) बलचिंदर शुक्ला ने सिविल इंजीनियरिंग शिक्षा और कार्यणाली को आगे बढ़ाने में अनुसंधान, नवाचार तथा वैश्विक शैक्षणिक सहयोग की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बदलते बुनियादी ढांचे और स्थिरता से जुड़ी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम युवाओं को तैयार करना आवश्यक है। इसके लिए विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं को भाव्य की आवश्यकताओं के अनुरूप ज्ञान, कौशल और व्यावहारिक समझ से सुसज्जित किया जाना चाहिए। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के उप महानिदेशक श्री नलिन कुमार

श्रीवास्तव ने जल संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण के लिए टिकाऊ उपायों तथा तकनीकी हस्तक्षेपों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सिविल इंजीनियरों की जिम्मेदारी केवल निर्माण कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें नदियों और जल संसाधनों को प्रदूषण से बचाने तथा पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने की दिशा में भी प्रभावी योगदान देना चाहिए। उन्होंने ठोस और मापनीय परिणाम हासिल करने के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ कार्य करने का आह्वान किया। मानद प्रोफेसरशिप से सम्मानित किए गए प्रो. (डॉ.) भोला एनएस घिमिरे ने एमटी विश्वविद्यालय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उनके लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है और एमटी के साथ दीर्घकालिक शैक्षणिक जुड़ाव की शुरूआत है।

संक्षिप्त डायरी सीबीएसई नेशनल तीरंदाजी में

पृथ्वीराज ने जीता व्यक्तिगत रजत एजेंसी गुरुग्राम। सीबीएसई बॉयज नेशनल आचंरी चैंपियनशिप में जिले के युवा तीरंदाज पृथ्वीराज सिंह चौहान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए व्यक्तिगत मुकाबले में रजत पदक जीता। आजमगढ़ के हरिश्चंद्र मिश्रा पब्लिक स्कूल में एक से सात अक्तूबर तक आयोजित प्रतियोगिता में देश के विभिन्न जोन के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। डीएवी स्कूल सेक्टर-84 में कक्षा आठ के छात्र पृथ्वीराज ने कंपाउंड राउंड में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उन्होंने पहले रैंकिंग राउंड में रजत पदक हासिल किया। इसके बाद इंडिविजुअल मुकाबले में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया और रजत पदक अपने नाम किया। इंडिविजुअल मुकाबले में पृथ्वीराज का सामना असम के आर्मी पब्लिक स्कूल के कक्षा 11 के खिलाड़ी से हुआ। उम्र और कक्षा में अंतर होने के बावजूद उन्होंने आत्मविश्वास के साथ मुकाबला किया और प्रतिद्वंद्वी को कड़ी चुनौती दी। राष्ट्रीय स्तर पर व्यक्तिगत रजत पदक जीतना उनके लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि रही। प्रशिक्षक कपिल कौशिक ने बताया कि पृथ्वीराज ने प्रतियोगिता में शुरूआत से ही अच्छा प्रदर्शन किया। रैंकिंग राउंड में रजत पदक हासिल करने के बाद इंडिविजुअल मुकाबले में भी उसने प्रदर्शन बरकरार रखा। बड़ी कक्षा के खिलाड़ी के सामने आत्मविश्वास के साथ मुकाबला करना उसके लिए अच्छा अनुभव रहा। पृथ्वीराज की उपलब्धि पर गुरुग्राम तीरंदाजी संघ के प्रधान पवन शर्मा, सचिव कपिल कौशिक, सदस्य संदीप हुड्डा और डीएवी स्कूल सेक्टर-84 के प्रधानाचार्य व शिक्षकों ने बधाई दी।

विज्ञान नाटक प्रतियोगिता में डीएवी स्कूल सेक्टर-49 प्रथम

एजेंसी गुरुग्राम। जिला स्तरीय नॉर्दन इंडिया विज्ञान नाटक प्रतियोगिता में डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर-49 की टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता राजकीय उच्च विद्यालय, 4/8 मरला में आयोजित हुई। इसका विषय ह्रद्विज्ञान एवं समाजहू रहा। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, विद्युत वाहन, अंतरतारकीय आवास और महासागरों के संरक्षण जैसे विषयों को नाटक के माध्यम से प्रस्तुत किया। डीएवी स्कूल सेक्टर-49 की टीम ने ह्यमहासागरों को बचाएं, पौधियों को सुरक्षित रखेंहू विषय पर प्रस्तुति देकर पहला स्थान हासिल किया। केआईआईटी, मारुति कुंज, भोंडसी की टीम ने ह्यकृत्रिम बुद्धिमत्ताहू पर प्रस्तुति देकर दूसरा और पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, शेरपुर की टीम ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। जिला शिक्षा अधिकारी कैप्टन इंदु बोक्न ने विजेता विद्यार्थियों और मार्गदर्शक शिक्षकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विज्ञान नाटक विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने और विज्ञान को दैनिक जीवन से जोड़ने का अवसर देते हैं। जिला विज्ञान विशेषज्ञ सुरेंद्र लोहचब और जिला गणित विशेषज्ञ बलवान बाना ने भी प्रस्तुतियों की सराहना की। प्रथम स्थान प्राप्त टीम राज्य स्तरीय विज्ञान नाटक प्रतियोगिता में गुरुग्राम का प्रतिनिधित्व करेगी।

सोहना में 15 वर्षीय किशोरी की मौत, खेतों में मिला शव

एजेंसी सोहना। गांव निबोट में मंगलवार रात 15 वर्षीय किशोरी की सदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बुधवार सुबह उसका शव गांव के बाहर खेतों में मिला। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सोहना नागरिक अस्पताल भेजा। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। किशोरी की पहचान आरुषि के रूप में हुई है। एक मूलरूप से मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले की रहने वाली थी और वर्तमान में अपने परिवार के साथ निबोट गांव में रह रही थी। पुलिस के अनुसार, मंगलवार को उसके माता-पिता रोज की तरह मजदूरी करने गए थे। शाम को घर लौटने पर आरुषि नहीं मिली। इसके बाद परिजनों और परिचितों ने देर रात तक उसकी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। बुधवार सुबह परिजन फिर उसकी तलाश में निकले। इसी दौरान गांव की चौकी के पीछे खेतों में उसका शव मिला। सूचना मिलने पर सदर थाना प्रभारी सुखपाल और निबोट चौकी प्रभारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। मौत के कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर लगाया जाएगा।

घर के गेट पर महिला से वेन लूट की कोशिश

एजेंसी नोएडा। सेक्टर बीटा-1 में घर के बाहर खड़ी महिला से चेन लूटने का प्रयास किया गया। महिला परिवार के साथ घर के बाहर खड़ी थी। इसी बीच पता पड़ने के बहाने बदमाशों ने घटना को अंजाम दिया। हालांकि, छीना झपटी में चेन टूट कर जमीन पर गिर गई। इस बीच बदमाश खुद को धिरता देखकर वहां से भाग गए। सेक्टर बीटा-1 में एक महिला परिवार के साथ रहती है। वह दो अक्तूबर की शाम पति और दो बच्चों के साथ घर के बाहर खड़ी थी। इसी बीच बाइक सवार दो बदमाश उनके पास पहुंचे और पता पड़ने के बहाने महिला के गले से चेन झपट ली। महिला ने हिम्मत दिखाते हुए बदमाश का हाथ पकड़ लिया। छीना झपटी में चेन टूटकर कर जमीन पर गिर गई। महिला के शोर मचाने पर बदमाश खुद को धिरता देखकर खाली हाथ वहां से भाग गए। दोनों बदमाश हेलमेट पहने थे। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस मामले में पुलिस का कहना है कि घटना की कोई लिखित शिकायत नहीं मिली। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर घटना की जांच की जा रही है। बदमाशों का पता लगाकर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

सेक्टर-51 में वाणिज्यिक गतिविधियां रोकने की मांग

एजेंसी नोएडा। सेक्टर-51 में हो रही वाणिज्यिक गतिविधियों पर आरडब्ल्यू ने रोष जताया है। आरडब्ल्यू ने प्राधिकरण सीईओ को पत्र लिखकर समस्या के समाधान की मांग की है। आरडब्ल्यू के महासचिव संजीव कुमार ने बताया कि सेक्टर-51 प्राधिकरण के वर्क सर्किल-तीन में आता है। सेक्टर के सी, डी, ई, एफ ब्लॉक के चारों तरफ प्रवेश द्वारों पर वाणिज्यिक गतिविधियां हो रही हैं। रेहड़ी-पटरी वालों का भी जमावड़ा लगा रहता है। इससे लोगों को काफी परेशानी हो रही है। स्थानीय लोगों को सेक्टर से बाहर जाने और बाहर से सेक्टर आने में काफी परेशानी हो रही है। उन्होंने बताया कि प्राधिकरण के संबंधित विभाग के अधिकारियों को इन समस्याओं से अवगत कराया लेकिन समस्याई नहीं हो रही। संबंधित समस्या का संज्ञान लेकर तत्काल प्रभाव से इसका समाधान किया जाए। ताकि सेक्टर के लोग राहत महसूस कर सकें।

फामेसी की पढ़ाई के बाद नए रास्तों पर मंथन

एजेंसी नोएडा। नॉलेज पार्क स्थित एक्सुरेट कॉलेज ऑफ फामेसी में बुधवार को फार्मासोसॉलिंग सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम का विषय बियाॅंड फामेसी- योर नेक्स्ट स्टेप टुवर्ड्स ए सक्ससफुल ग्लोबल फामेसी किरियर रहा। एकेडमिकली ग्लोबल के निदेशक डॉ. नंदीम मियां ने विद्यार्थियों को फामेसी के क्षेत्र में उपलब्ध वैश्विक करियर विकल्पों की जानकारी दी।

संपादकीय

खेल के मैदान पर लड़कियों का बराबर हक क्यों नहीं ?

खिचरा गांव की रेत भरी पाइंडी पर 13 साल की सोनिया (बदला हुआ नाम) दोपहर 12 बजे मैदान में अपनी कुछ साथियों के साथ खेल रही थी। उसके चेहरे पर चमक थी, लेकिन एक डर भी था, क्योंकि जब वह घर से निकली थी तो उसकी मां ने कहा था कि जल्दी घर आ जाना, क्योंकि उसके पिता घर आने वाले हैं और उन्हें उसका बाहर खेलना पसंद नहीं है। घर के पास स्कूल होने के कारण वह वहां तो जा सकती थी, लेकिन



उसके पिता को इसके बारे में मालूम नहीं है, क्योंकि उनका मानना है कि खेलना लड़कियों का काम नहीं है। उनके अनुसार लड़कियों को घर का काम सीखना चाहिए ताकि शादी के बाद वे घर संभाल सकें। सोनिया के लिए खेल केवल मनोरंजन नहीं है। वह उसके लिए अपने साथियों के साथ समय बिताने, अपने शरीर को सक्रिय रखने, आत्मविश्वास बढ़ाने और अपनी परफेक्ट का काम करने का अवसर है। लेकिन उसके सामने मैदान तक पहुंचने की आजादी भी एक सवाल बनी हुई है। यह सिर्फ किसी एक सोनिया की कहानी नहीं है। देश के ग्रामीण इलाकों में आज भी ऐसी अनेक लड़कियां हैं जिनमें खेल की प्रतिभा है, लेकिन उनके सामने खेल का मैदान केवल भौतिक दूरी की वजह से दूर नहीं है। परिवार की अनुमति, घर के काम, सुरक्षा की चिंता, सामाजिक सोच और लड़कियों के लिए तय की गई भूमिकाएं भी उनके और खेल के बीच दीवार बन जाती हैं। राजस्थान जैसे बड़े ग्रामीण राज्य में यह सवाल और महत्वपूर्ण हो जाता है, जहां गांवों में रहने वाली लड़कियों के लिए स्कूल और खेल के अवसर एक जैसे नहीं हैं। राजस्थान में आज भी खेलों में लड़कियों की भागीदारी लड़कों की तुलना में न केवल कम है बल्कि और लड़कियों के लिए खेलों तक सीमित पहुंच एक चुनौती है। हालांकि खेल सुविधाओं को गांवों तक पहुंचाने के प्रयास जरूर रहे हैं। राज्य के 2024-25 के संशोधित बजट में ग्रामीण युवाओं को खेल प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत स्तर पर चरणबद्ध तरीके से खुले जिम और खेल मैदान विकसित करने की घोषणा की गई थी। वहीं 2026-27 के आर्थिक सर्वेक्षण में बताया गया है कि ग्राम पंचायत स्तर पर खुले जिम और खेल मैदान विकसित किए जा रहे हैं। वहीं लड़कियों की खेल भागीदारी बढ़ाने के लिए जयपुर, भरतपुर और उदयपुर में आवासीय गर्ल्स स्पोर्ट्स इंस्टीट्यूट स्थापित करने की बात भी कही गई है। लेकिन मैदान बना देने से सोनिया जैसी लड़कियों की समस्या अपने आपा हल नहीं होगी। यदि मैदान गांव से दूर है और लड़की को वहां जाने की अनुमति नहीं है, तो वह मैदान उसके लिए मौजूद होते हुए भी अनुपलब्ध है। यदि खेल का समय वही है जब लड़की को घर के काम करने होते हैं, तो सुविधा होते हुए भी उसका लाभ उसे नहीं मिलेगा। यदि परिवार को लगता है कि खेलना लड़की के भविष्य के लिए जरूरी नहीं है, तो किसी योजना के तहत दिया गया खेल का सामान भी अलमारी में बंद रह सकता है।

--डा. पंकज भारद्वाज

प्रेम... एक ऐसा शब्द, जिसे बोलना बहुत आसान है, लेकिन समझना शायद पूरी जिंदगी भी कम पड़ जाए। प्रेम को परिभाषित करने की कोशिश जब भी हुई, शब्द छोटे पड़ गए। किसी ने इसे पूजा कहा, किसी ने समर्पण, किसी ने पागलपन और किसी ने जीवन की सबसे खूबसूरत अनुभूति। लेकिन सच तो यह है कि प्रेम इन सबके बीच कहीं सांस लेता है। वह दिखाई नहीं देता, फिर भी जीवन के सबसे गहरे हिस्से को छू जाता है। कभी किसी की आंखों में उतरकर प्रेम हमारे भीतर घर बना लेता है, कभी किसी की आवाज सुनते ही मन शांत हो जाता है, कभी किसी की एक मुस्कान पूरे दिन की थकान मिटा देती है और कभी वही मुस्कान याद बनकर आंखों में नमी भी ले आती है। यही प्रेम है, वह जो बिना दस्तक दिए दिल में प्रवेश करता है और फिर वहां से निकलने का रास्ता भूल जाता है।

मनुष्य ने जीवन में बहुत कुछ अपने निर्णय से चुना है कहां पढ़ना है, क्या बनना है, किस रास्ते पर चलना है, किससे मित्रता करनी है, लेकिन प्रेम शायद उन चीजों में से है, जिसे मनुष्य चुनता कम और महसूस अधिक करता है। हम नहीं जानते कि हमें कब किसी से प्रेम हो जाएगा। हमें नहीं पता कि वह प्रेम जीवनभर साथ रहेगा या कुछ समय बाद एक स्मृति बन जाएगा। हमें यह भी मालूम नहीं होता कि जिसे हम अपनी जिंदगी का सबसे जरूरी व्यक्ति समझ रहे हैं, वह हमारी कहानी का अंतिम पात्र होगा या केवल एक सुंदर अध्याय। प्रेम के भाग्य में क्या लिखा है, यह मनुष्य नहीं जानता। शायद यह केवल ईश्वर जानता है। हम अक्सर प्रेम को पाने की इच्छा से जोड़ देते हैं। हमें लगता है कि जिसे हम चाहते हैं, वह भी हमें चाहे, हमारे साथ रहे, हमारी भावनाओं को समझे और हमारे जीवन का हिस्सा बने। इसमें कुछ गलत भी नहीं। हर प्रेमी मन के किसी कोने में यही सपना देखता है। लेकिन प्रेम केवल पाने का नाम नहीं है। प्रेम का एक रूप वह भी है, जिसमें हम किसी को उसकी खुशी के लिए स्वतंत्र छोड़ देते हैं। कभी-कभी प्रेम में सबसे कठिन निर्णय यही होता है कि जिसे हम अपने पास रखना चाहते हैं, उसे जाने दें। दिल कहता है उसे रोक लो। मन कहता है उसे समझाओ। यदि कहती हैं इतनी आसानी से हार मत मानो, लेकिन परिस्थितियां कहती हैं हर रिश्ता साथ रहने के लिए नहीं बना होता। तब प्रेम एक परीक्षा बन जाता है। और जो व्यक्ति उस परीक्षा में सामने वाले की खुशी को अपने अधिकार से ऊपर रख पाता है, शायद वही प्रेम का वास्तविक अर्थ समझ पाता है।

प्रेम से पहले हम केवल अपने बारे में सोचते हैं, लेकिन प्रेम के बाद किसी दूसरे की चिंता हमारे भीतर जन्म लेती है। पहले हमें अपनी नौद प्यारी होती है, फिर किसी की आवाज सुनने के लिए रात तक जागना अच्छा लगने लगता है। पहले हम अपनी खुशी तलाशते हैं, फिर किसी दूसरे की मुस्कान में अपनी खुशी मिलने लगती है।

प्रेम : ताकत भी, कमजोरी भी

प्रेम मनुष्य को बदल देता है। वह उसे संवेदनशील बनाता है, उसे दूसरों के दर्द को समझना सिखाता है, उसे धैर्य देता है, उसे इंतजार करना सिखाता है और कभी-कभी वह साहस भी देता है, जो अकेले मनुष्य में नहीं होता। किसी के लिए बेहतर बनने की इच्छा भी प्रेम से जन्म ले सकती है। एक व्यक्ति जो कल तक अपने भविष्य को लेकर उदासीन था, प्रेम के बाद अपने सपनों को गंभीरता से लेने लगता है। उसे लगता है कि उसे केवल अपने लिए नहीं, किसी और के लिए भी मजबूत बनना है। यही प्रेम की शक्ति है। लेकिन जहां प्रेम शक्ति देता है, वहीं उसका अतिरेक मनुष्य को कमजोर भी कर सकता है। जब हम अपनी पूरी खुशी किसी एक व्यक्ति के हाथों में सौंप देते हैं, तब हम अपनी भावनाओं के मालिक नहीं रहते। सामने वाले की एक छोटी-सी बात हमें आसमान पर पहुंचा देती है और उसकी एक बेरुखी हमें जमीन पर गिरा देती है। फोन पर आया एक संदेश खुशी देता है और संदेश न आए तो बेचैनी होने लगती है। किसी का मिलना अच्छा लगता है और उसका दूर जाना अस्हनीय लगने लगता है। यहीं से प्रेम और निर्भरता के बीच की महीन रेखा शुरू होती है।

प्रेम सुंदर है, लेकिन किसी व्यक्ति को अपनी पूरी दुनिया बना देना हमेशा सुंदर नहीं होता, क्योंकि दुनिया का कोई भी व्यक्ति हमेशा हमारे साथ नहीं रह सकता। जीवन में परिस्थितियां बदलती हैं, लोग बदलते हैं, रिश्ते बदलते हैं और कभी-कभी हमारी सबसे मजबूत उम्मीदें भी टूट जाती हैं। इसलिए प्रेम कीजिए, लेकिन स्वयं को मत खोइए। किसी को अपना बनाइए, लेकिन अपने अस्तित्व की कीमत पर नहीं। आज के समय में प्रेम के नाम पर सबसे अधिक जो चीज रिश्तों को नुकसान पहुंचाती है, वह है अविश्वास। ‘कहां थे?’ , ‘किससे बात कर रहे थे?’ , ‘फोन क्यों नहीं उठया?’ , ‘मेरे अलावा किसी और से इतनी बात क्यों करते हो?’ ये सवाल कभी-कभी चिंता से जन्म लेते हैं, लेकिन लगातार पूछे जाने लगे तो रिश्ते को सांस लेने में कठिनाई होने लगती है। प्रेम किसी को कैद करने का नाम नहीं है। यदि किसी व्यक्ति को हर पल यह साबित करना पड़े कि वह आपसे प्रेम करता है, तो शायद वह स्वतंत्र प्रेम ही मौजूद है। सच्चा प्रेम कहता है ‘मुझे तुम पर विश्वास है।’ और विश्वास का अर्थ यह नहीं कि सामने वाला कभी गलती नहीं करेगा। विश्वास का अर्थ है कि रिश्ते में इतनी मजबूती हो कि गलती के बाद भी संवाद का रास्ता खुला रहे। प्रेम का सबसे सुंदर रूप शायद वह है, जिसमें दो लोग एक-दूसरे को बदलने की कोशिश नहीं करते, बल्कि समझने की कोशिश करते हैं।

हर मनुष्य अधूरा है। हर व्यक्ति के भीतर कुछ अच्छी बातें हैं और कुछ कमजोरियां हैं। प्रेम यदि केवल अच्छाइयों से है तो वह आकर्षण हो सकता है, लेकिन जब हमें किसी की कमजोरियां मालूम होने के बावजूद उसके प्रति सम्मान बना रहता है, तब प्रेम गहरा होने लगता है।

प्रेम में यह कहना भी जरूरी है। ‘तुम जैसे हो, मैं तुम्हें समझने की कोशिश करूंगा।’ लेकिन इसका अर्थ यह भी नहीं कि प्रेम के नाम पर गलत व्यवहार स्वीकार कर लिया जाए। प्रेम में सम्मान आवश्यक है और आत्मसम्मान उससे भी अधिक। जहां अपमान लगातार हो, जहां हिंसा हो, जहां भय हो, जहां व्यक्ति स्वयं को खोने लगे वहां केवल प्रेम का नाम लेकर रिश्ते को छोते रहना प्रेम नहीं है। प्रेम का एक संसार ऐसा भी है, जहां दो लोग नहीं होते, केवल एक व्यक्ति होता है और उसकी भावनाएं होती हैं। वह किसी को चाहता है, उसके आने की प्रतीक्षा करता है, उसके संदेश का इंतजार करता है, उसकी तस्वीर देखकर मुस्कुराता है, लेकिन सामने वाला शायद कुछ भी महसूस नहीं करता।

एकरफा प्रेम बहुत गहरा दर्द दे सकता है, क्योंकि इसमें उम्मीद का जन्म भी स्वयं होता है और टूटना भी स्वयं। लेकिन यहां भी एक बात समझना जरूरी है किसी को प्रेम करना हमारा अधिकार है, लेकिन सामने वाले से प्रेम करवाना हमारा अधिकार नहीं। प्रेम प्रस्ताव स्वीकार हो सकता है, अस्वीकार भी। स्वीकार होने पर जीवन सुंदर हो सकता है, अस्वीकार होने पर जीवन समाप्त नहीं होता।

किसी का हमें न चुनना, हमारी कीमत कम नहीं करता। यह बात हर उस युवा को समझनी चाहिए, जो प्रेम में असफल होने के बाद स्वयं को असफल समझने लगता है। प्रेम में इंतजार का अपना एक संगीत होता है। किसी के आने का इंतजार, किसी की आवाज का इंतजार, किसी के एक संदेश का इंतजार और कभी-कभी केवल इस उम्मीद का इंतजार कि शायद वह एक दिन समझ जाएगा कि हम उसे कितना चाहते हैं। लेकिन हर इंतजार का अंत मिलन हो, यह जरूरी नहीं। कुछ इंतजार हमें स्वयं से मिलाने के लिए होते हैं। जब सामने वाला नहीं मिलता, तब हम अपने भीतर उतरते हैं और पूछते हैं मैं आखिर चाहता क्या हूं? तभी प्रेम हमें दूसरे से हटाकर स्वयं तक ले आता है और शायद यही प्रेम की सबसे बड़ी सीख है। प्रेम हमें केवल कोई व्यक्ति नहीं देता, वह हमें अनुभव देता है, इंतजार देता है, खुशी देता है, दर्द देता है, धैर्य देता है, त्याग सिखाता है और यह समझाता है कि मनुष्य केवल शरीर नहीं, भावनाओं का भी संसार है। प्रेम के कारण हम कभी हंसते हैं और कभी रोते हैं। कभी सपने देखते हैं और कभी उन्हीं सपनों के टूटने का दर्द सहते हैं। लेकिन इस पूरी यात्रा में हम पहले जैसे नहीं रहते। प्रेम हमें बदल चुका होता है। हम थोड़ा अधिक संवेदनशील, थोड़ा अधिक समझदार और कभी-कभी थोड़ा अधिक अकेला हो जाते हैं। क्या प्रेम हमेशा मिलना चाहिए? नहीं। प्रेम प्रेम कहानी का अंत विवाह नहीं होता। हर प्रेम कहानी का अंत साथ रहने में नहीं होता। कुछ प्रेम केवल स्मृति बनकर रह जाते हैं। कुछ लोग जीवन में आते हैं, हमें छूते हैं, हमें बदलते हैं और फिर किसी मोड़ पर हमसे दूर हो जाते हैं। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि उनका प्रेम झूठा था। हर रिश्ते की अपनी एक उम्र होती है। कुछ रिश्ते जीवनभर चलते

हैं और कुछ कुछ वर्षों, महीनों या कभी-कभी कुछ पलों में अपना काम पूरा कर देते हैं। कुछ लोग हमें प्रेम करना सिखाने आते हैं। कुछ लोग हमें यह सिखाने आते हैं कि प्रेम में स्वयं को खोना नहीं चाहिए। कुछ लोग हमें छेड़कर जाते हैं ताकि हम अपने भीतर की ताकत पहचान सकें और कुछ लोग इतने गहरे उतर जाते हैं कि उनके चले जाने के बाद भी वे हमारी स्मृतियों में जीवित रहते हैं। शायद प्रेम को समझने के लिए ईश्वर को समझना जरूरी नहीं, लेकिन ईश्वर की तरह प्रेम भी अदृश्य होकर प्रभाव डालता है। हम ईश्वर को देख नहीं पाते, लेकिन विश्वास करते हैं। हम प्रेम को छू नहीं सकते, लेकिन महसूस करते हैं। शायद इसी कारण प्रेम को मनुष्य के भीतर ईश्वर की सबसे सुंदर अनुभूतियों में से एक माना जा सकता है। क्योंकि प्रेम हमें अपने स्वाथं से बाहर निकालता है। जब हम किसी की खुशी के लिए प्रार्थना करते हैं, बिना किसी अपेक्षा के, तब प्रेम अपने सबसे पवित्र रूप में दिखाई देता है।

प्रेम की कोई अंतिम परिभाषा नहीं है। जिसने प्रेम किया, उसके लिए प्रेम की अपनी कहानी है। किसी के लिए प्रेम पहली मुलाकात है, किसी के लिए वर्षों का साथ, किसी के लिए मां की गोद, किसी के लिए पिता का संघर्ष, किसी के लिए किसी दोस्त का बिना पूछे साथ खड़ा हो जाना और किसी के लिए वह व्यक्ति, जो अब उसके साथ नहीं है, लेकिन आज भी उसकी यादों में सांस लेता है। प्रेम ताकत भी है और कमजोरी भी। यह हमें दुनिया से लड़ने का साहस देता है और कभी-कभी उसी दुनिया से छिपकर रोजे की वजह भी। यह हमें किसी के करीब लाता है और कभी-कभी किसी के दूर जाने का दर्द भी देता है। लेकिन शायद प्रेम की खूबसूरती इसी विरोधाभास में है। प्रेम में जीतना जरूरी नहीं, प्रेम को समझना जरूरी है। किसी को पाना प्रेम की एक संभावना है, लेकिन किसी को उसकी खुशी में खुश देख पाना प्रेम की ऊंचाई है। किसी के साथ जिंदगी बिताना सुंदर है, लेकिन किसी के जीवन को सुंदर बनाने की कोशिश करना उससे भी सुंदर है। इसलिए प्रेम कीजिए। पूरे मन से कीजिए। लेकिन प्रेम में स्वयं को मत खोइए। किसी पर विश्वास कीजिए, लेकिन अपनी आत्मा की आवाज को मत दबाइए। किसी का हाथ थामिए, लेकिन यदि कभी वह हाथ छूट जाए तो अपने पैरों पर खड़े होना मत भूलिए। क्योंकि प्रेम जीवन का अंत नहीं है। प्रेम जीवन का वह अध्याय है, जो हमें यह सिखाता है कि मनुष्य केवल पासों से नहीं, भावनाओं से भी जीवित रहता है। और अंततः प्रेम हमारे भाग्य में क्या लिखेगा, यह हम नहीं जानते। कौन हमारा होगा, कौन बिछड़ जाएगा, कौन याद बन जाएगा यह भी नहीं जानते। लेकिन इतना जरूर जानते हैं कि जब प्रेम सच्चा होता है, तो वह हमें पहले जैसा नहीं रहने देता। वह हमें बदल देता है। और शायद यही प्रेम का सबसे बड़ा चमत्कार है।

आसमान का अर्भेद्य प्रहरी : ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय वायुसेना की निर्णायक भूमिका

- सुरेश सिंह बैस ‘शाश्वत’

किसी भी राष्ट्र की संरभुता और सीमाओं की सुरक्षा तभी सुनिश्चित रह सकती है, जब उसकी सेनाएं सजग, सक्षम और आधुनिक युद्ध तकनीक से लैस हों। भारतीय सशस्त्र सेनाओं के तीनों अंग- थल सेना, नौसेना और वायुसेना ; अपने-अपने क्षेत्र में राष्ट्र की सुरक्षा का दायित्व निभाते हुए आवश्यकता पड़ने पर संयुक्त रूप से सैन्य शक्ति का प्रदर्शन करते हैं। इस त्रिशक्ति में भारतीय वायुसेना देश के आकाश की प्रहरी है।

हर वर्ष 8 अक्टूबर को भारतीय वायुसेना दिवस मनाया जाता है। 8 अक्टूबर 1932 को भारतीय वायुसेना की आधिकारिक स्थापना हुई थी। इसकी पहली परिचालन उड़ान 1 अप्रैल 1933 को कराची के ड्रिग रोड से छह आरएएफ-प्रशिक्षित अधिकारियों, 19 वायु सैनिकों और चार वेस्टलैंड वापिटो विमानों के साथ हुई थी। तब से लेकर आज तक भारतीय वायुसेना ने एक छोटे से आरंभिक दल से आधुनिक, नेटवर्क-केंद्रित और बहुआयामी वायु शक्ति तक का लंबा सफर तय किया है।

2026 में भारतीय वायुसेना अपना 94वां स्थापना दिवस मना रही है। यह अवसर केवल उसकी गौरवशाली विरासत को याद करने का नहीं, बल्कि बदलते युद्ध परिवेश में उसकी बढ़ती तकनीकी क्षमता, आत्मनिर्भरता और भविष्य की तैयारियों को समझने का भी अवसर है।

आज का युद्ध केवल जमीन पर सैनिकों और टैंकों तक सीमित नहीं है। आधुनिक युद्ध में हवा, अंतरिक्ष, साइबर और इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र का महत्व तेजी से बढ़ा है। लंबी दूरी के हथियार, मानवरहित विमान, ड्रोन, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली, रडार नेटवर्क और वास्तविक समय में सूचना का आदान-

प्रदान युद्ध की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भारतीय वायुसेना को भी इस बदलती युद्ध प्रणाली के अनुरूप स्वयं को लगातार आधुनिक बनाया है। राफेल जैसे अत्याधुनिक लड़ाकू विमान, स्वदेशी तेजस, सुखई-30 एमकेआई, मिराज-2000 और अन्य प्लेटफॉर्म के साथ वायुसेना के पास विभिन्न प्रकार की वायु एवं मिसाइल रक्षा प्रणालियां हैं। स्वदेशी आकाश जैसी प्रणालियों का उपयोग भारत की बढ़ती रक्षा आत्मनिर्भरता को भी दर्शाता है। 2025 में रक्षा मंत्रालय ने ऑपरेशन सिंदूर के संदर्भ में स्वदेशी आकाश प्रणाली और बहुस्तरीय वायु रक्षा व्यवस्था के प्रभावी उपयोग को रेखांकित किया था।

ऑपरेशन सिंदूर ने नई रणनीतिक क्षमता का प्रदर्शन किया। 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद भारत ने आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई का संकल्प लिया। इसके परिणामस्वरूप 7 मई 2025 को भारतीय सशस्त्र सेनाओं ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। सरकार के अनुसार पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में स्थित आतंकवादी ढांचे से जुड़े नौ ठिकानों को निशाना बनाया गया। भारत ने प्रारंभिक कार्रवाइ को केंद्रित, मापी हुई और गैर-उत्तेजक बनाते हुए कहा कि उस चरण में पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठानों को लक्ष्य नहीं बनाया गया था। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय वायुसेना की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण रही। सरकारी विवरण के अनुसार वायुसेना ने आतंकवादी ढांचे के विरुद्ध सटीक हवाई कार्रवाई की और बाद में पाकिस्तान की ओर से आए ड्रोन तथा यूएवी हमलों के दौरान भारतीय वायु क्षेत्र की सुरक्षा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारतीय वायुसेना की Integrated Air

Command and Control System (IACCS) आधारित नेटवर्क-केंद्रित क्षमता ने विभिन्न सेंसर, कमांड केंद्रों और वायु रक्षा संसाधनों के बीच समन्वय में योगदान दिया।

यही आधुनिक युद्ध की वास्तविक तस्वीर है ,सिर्फ लड़ाकू विमान को जाति या हथियार की मारक क्षमता नहीं, बल्कि खुफिया जानकारी, लक्ष्य की पहचान, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध, संचार, रडार, वायु रक्षा और तीनों सेनाओं के बीच समन्वय मिलकर सैन्य क्षमता को निर्णायक बनाते हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की ओर से ड्रोन और यूएवी के माध्यम से भारतीय सैन्य एवं अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों को निशाना बनाने के प्रयास किए गए। सरकारी विवरण के अनुसार भारत की बहुस्तरीय वायु रक्षा व्यवस्था ने इन खतरों से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नवंबर स्वदेशी आकाश सहित विभिन्न वायु रक्षा प्रणालियों और काउंटर-यूएसएस क्षमताओं का इस्तेमाल किया गया। इस एटनाक्रम ने यह स्पष्ट किया कि भविष्य के युद्धों में केवल लड़ाकू विमानों की संख्या महत्वपूर्ण नहीं होगी। सेंसर से रणर तक की पूरी नेटवर्क व्यवस्था, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध क्षमता, मिसाइल रक्षा और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता किसी भी देश की वास्तविक वायु शक्ति का निर्धारण करेगी। भारतीय वायुसेना के शौर्य का इतिहास नया नहीं है। 1965 और 1971 के भारत-पाक युद्धों में उसकी भूमिका महत्वपूर्ण रही। 1999 के कारगिल युद्ध में भी वायुसेना ने ऑपरेशन सफेद सागर के माध्यम से अत्यंत ऊंचाई वाले कठिन भूभाग में भारतीय थलसेना को महत्वपूर्ण हवाई समर्थन दिया। कारगिल के अनुभव ने उच्च ऊंचाई वाले युद्ध में सटीक हवाई शक्ति और थलसेना-वायुसेना के बेहतर समन्वय का महत्व सामने रखा। कारगिल से लेकर बालाकोट

और फिर ऑपरेशन सिंदूर तक भारतीय वायुशक्ति के स्वरूप में लगातार परिवर्तन दिखाई देता है। अब लक्ष्य केवल दुश्मन के विमानों से मुकाबला करना नहीं, बल्कि दूर से सटीक प्रहार, निगरानी, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध, नेटवर्क-केंद्रित संचालन और बहुस्तरीय वायु रक्षा के जरिए पूरे अभियान को प्रभावी बनाना है।

भारतीय वायुसेना की शक्ति का एक महत्वपूर्ण पहलू आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बढ़ता रक्षा उद्योग है। स्वदेशी तेजस हल्का लड़ाकू विमान, आकाश वायु रक्षा प्रणाली, विभिन्न रडार, मिसाइल और इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियां भारत की तकनीकी क्षमता का प्रमाण हैं। 2024 के वायुसेना दिवस पर भी भारतीय वायुसेना ने अपनी थीम ‘सक्षम, सशक्त, आत्मनिर्भर’ के माध्यम से इसी दिशा को रेखांकित किया था। अत्याधुनिक स्वदेशी प्लेटफॉर्म और तकनीक के साथ विदेशी प्रणालियों का संतुलित उपयोग भारतीय वायुशक्ति को बहुआयामी बनाता है।

आत्मनिर्भरता का अर्थ यह नहीं कि भारत हर सैन्य तकनीक तत्काल स्वयं बना ले, बल्कि यह है कि महत्वपूर्ण प्रणालियों में घरेलू डिजाइन, उत्पादन, रखरखाव और उन्नयन की क्षमता लगातार बढ़े। युद्ध की स्थिति में आपूर्ति श्रृंखला पर बाहरी निर्भरता जितनी कम होगी, देश की रणनीतिक स्वतंत्रता उतनी ही मजबूत होगी। भारतीय वायुसेना की भूमिका युद्ध तक सीमित नहीं है। प्राकृतिक आपदाओं, बाढ़, भूकंप, पर्वतीय क्षेत्रों में राहत, मानवीय सहायता और नागरिकों के बचाव अभियानों में भी वायुसेना ने बार-बार अपनी क्षमता साबित की है। आवश्यकता पड़ने पर जहां सड़क और रेल पहुंचना कठिन होता है, वहां वायुसेना के हेलीकॉप्टर और

परिवहन विमान जीवनरक्षक साबित होते हैं। इसलिए वायुसेना का अर्थ केवल लड़ाकू विमान और मिसाइल नहीं है। यह देश के नागरिकों के संरक्षक की घड़ी में सहायता का भरोसा भी है।

भारतीय वायुसेना की असली ताकत केवल उसके अत्याधुनिक विमान नहीं, बल्कि उन विमानों को उड़ाने वाले प्रशिक्षित पायलट, तकनीशियन, इंजीनियर, एयर वॉरियर्स और जमीन पर चौबीसों घंटे तैनात हजारों कर्मियों की सामूहिक दक्षता है। आकाश में उड़ता हुआ लड़ाकू विमान कुछ मिनों का दृश्य होता है, लेकिन उसके पीछे वर्षों की ट्रेनिंग, अनुशासन, तकनीकी तैयारी, खुफिया जानकारी, रखरखाव और अदम्य मानसिक शक्ति काम करती है।

ऑपरेशन सिंदूर ने एक बार फिर दिखाया कि आधुनिक भारत की वायुशक्ति केवल संख्या का खेल नहीं है। सटीकता, गति, तकनीक, नेटवर्क, प्रशिक्षण और संयुक्त सैन्य क्षमता आज उसकी पहचान बन रहे हैं। भारतीय वायुसेना ने अपने 94 वर्षों के सफर में अनेक चुनौतियां देखी हैं और हर चुनौती के साथ स्वयं को अधिक सक्षम बनाया है। आज जब युद्ध की सीमाएं जमीन से उठकर आकाश, अंतरिक्ष, साइबर और इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र तक पहुंच चुकी हैं, तब भारतीय वायुसेना की जिम्मेदारी भी पहले से कहीं अधिक व्यापक हो गई है।

8 अक्टूबर केवल वायुसेना दिवस नहीं, बल्कि उस संकल्प को नमन करने का दिन है जिसमें भारत के आकाश को सुरक्षित रखने के लिए हमारे वायु योद्धा हर पल तैयार रहते हैं। देश चैन की नौद सोता है क्योंकि आकाश की ऊंचाइयों पर हमारे प्रहरी जागते हैं। भारतीय वायुसेना के वीर वायु योद्धाओं, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को वायुसेना दिवस पर शत-शत नमन।

लोकतंत्र में सबसे महत्वपूर्ण जनता का विश्वास

-सौरभ वाष्पेण्य

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत उसकी चुनाव प्रणाली और जनता का मताधिकार है। सत्ता बदलने का अधिकार जनता के पास है और इसी अधिकार की विश्वसनीयता लोकतंत्र की बुनियाद को मजबूत करती है। लेकिन जब चुनाव प्रक्रिया पर ही सवाल उठने लगें, मतदाता सूची की शुद्धिता को लेकर संदेह पैदा हो और विपक्ष चुनाव प्रणाली में कथित अनियमितताओं के आरोप लगाते हुए सड़क पर उतर आए, तो यह केवल किसी राजनीतिक दल का विरोध नहीं रह जाता, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता से जुड़ा गंभीर प्रश्न बन जाता है। इसलिए लोकतंत्र में सबसे महत्वपूर्ण है जनता का विश्वास है। अगर यह विश्वास खो गया तो लोकतंत्र का अस्तित्व ही खो जायेगा? इस पर लोकतंत्र के चौकीदारों को सोचा पड़ेगा समझना पड़ेगा? जनता के अंदर यह विश्वास दिलाना होगा कि आपका वोट सुरक्षित है।

राजधानी दिल्ली में मंगलवार को जो राजनीतिक घटनाक्रम देखने को मिला, उसने इस बहस को और तेज कर दिया। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी इंडिया गठबंधन के मार्च की धुरी बने और विपक्षी सांसद संसद भवन से निर्वाचन आयोग के मुख्यालय की ओर मार्च करने निकले, लेकिन पुलिस ने उन्हें संसद मार्ग पर ही रोक दिया। इसके बाद सड़क पर धरना, हिरासत और फिर आकाशवाणी भवन परिसर में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड़ा तथा अन्य नेताओं

का करीब नौ घंटे तक चला विरोध प्रदर्शन भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम के रूप में सामने आया। राहुल गांधी की हिरासत और उनके साथ बड़ी संख्या में विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी ने राजनीतिक टकराव को और तीखा कर दिया। देर रात सभी को छोड़ दिया गया, लेकिन इस घटनाक्रम ने एक बुनियादी सवाल जरूर खड़ा किया है। क्या चुनावी प्रक्रिया को लेकर उठे गए सवालों का समाधान राजनीतिक टकराव से होगा या संस्थागत संवाद से? विपक्ष का आरोप है कि मतदाता सूची और चुनाव प्रणाली में ऐसी अनियमितताएं हो रही हैं जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती हैं। राहुल गांधी ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर गंभीर आरोप लगाए ताकि वोट चोरी के जरिए देश को हाईजैक करने तक की बात कही। उन्होंने इसे देशद्रोह बताया और कहा कि ऐसा करने वाले बच नहीं पाएंगे। इन आरोपों की गंभीरता को देखते हुए इनका राजनीतिक भाषणों तक सीमित रह जाना उचित नहीं होगा। यदि आरोप गलत हैं तो उन्हें तथ्यों के साथ खारिज किया जाना चाहिए और यदि किसी स्तर पर चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी के प्रमाण हैं तो उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। लोकतंत्र में आरोप और प्रत्यारोप से अधिक महत्वपूर्ण तथ्य और प्रमाण होते हैं।दूध का दूध पानी का पानी होना चाहिए।

यहां निर्वाचन आयोग की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण हो

जाती है। चुनाव आयोग केवल चुनाव कराने वाली संस्था नहीं है, बल्कि उसकी निष्पक्षता पर जनता का विश्वास चुनाव परिणामों की स्वीकार्यता का आधार है। इसलिए जब देश का प्रमुख विश्वी दल चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर सवाल उठाता है, तब आयोग को इसे केवल राजनीतिक बयान मानकर खारिज करने के बजाय जनता के सामने अधिकतम पारदर्शिता के साथ तथ्यों को रखना चाहिए। इसी तरह विपक्ष की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। लोकतंत्र में सरकार से सवाल पूछना उसका अधिकार है, लेकिन गंभीर आरोपों के साथ ठोस प्रमाण प्रस्तुत करना उसकी जिम्मेदारी भी है। वोट चोरी जैसा आरोप सामान्य राजनीतिक आरोप नहीं है। यह करोड़ों मतदाताओं के विश्वास और पूरी चुनाव प्रक्रिया पर प्रश्नचिह्न लगाता है। इसलिए यदि विपक्ष के पास प्रमाण हैं तो उन्हें सार्वजनिक और संवैधानिक संस्थाओं के समक्ष रखना चाहिए। केवल नारों और राजनीतिक आक्रोश से लोकतंत्र की विश्वसनीयता मजबूत नहीं हो सकती। दूसरी ओर, सत्ता पक्ष की भी विपक्ष के सवालों के देशविरोध या लोकतंत्र विपक्ष के चरमे से देखने से बचना होगा। लोकतंत्र में असहमति व्यवस्था की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी ताकत है। यदि विपक्ष सवाल पूछता है तो सरकार और संवैधानिक संस्थाओं का दायित्व है कि वे सवालों का जवाब दें। सवालों से बचने के बजाय पारदर्शिता के जरिए संदेह दूर करना अधिक प्रभावी रास्ता है।

मंगलवार का घटनाक्रम इस दृष्टि से भी चिंतानेक है

कि देश की संसद से निकले निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को निर्वाचन आयोग तक मार्च करने से रोक दिया गया और बाद में उन्हें हिरासत में लिया गया। कानून-व्यवस्था बनाए रखना सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन लोकतांत्रिक विपक्ष को किस सीमा तक रोक़ा जाए, यह भी लोकतंत्र की परिपक्वता की कसौटी है। शांतिपूर्ण विरोध, धरना और अपनी बात रखने का अधिकार लोकतांत्रिक व्यवस्था का अभिन्न हिस्सा है।वहीं इस संबंध में केंद्रीय निर्वाचन आयोग ने कहा कि किसी ने मिलने का समय नहीं मांगा तो ऐसे में जब विपक्ष मिलने आ रहा है तो खुले दिन से स्वागत करना चाहिए। उनका समाधान करना चाहिए। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में चुनाव केवल पांच वर्ष में एक बार होने वाली प्रक्रिया नहीं है। चुनाव जनता के विश्वास का उत्कव है। बूथ पर खड़ा मतदाता जना को अपना वोट डालता है तो उसे यह भरोसा होना चाहिए कि उसका मत सुरक्षित है, उसकी पसंद का सम्मान होगा और चुनाव परिणाम निष्पक्ष प्रक्रिया का परिणाम होंगे। यदि इस विश्वास में दारार आती है तो उसका असर किसी एक पार्टी पर नहीं, पूरी लोकतांत्रिक व्यवस्था पर पड़ता है। आज आवश्यकता रातनीतिक आरोपों को और तीखा करने की नहीं, बल्कि चुनाव प्रणाली में जनता का विश्वास और मजबूत करने की है। मतदाता सूची, मतदान प्रक्रिया, इलेक्ट्रॉनिक मतदान व्यवस्था, परिणामों और चुनावी शिकायतों से जुड़े प्रत्येक सवाल पर पारदर्शिता बढ़ाई जानी चाहिए। राजनीतिक दलों, निर्वाचन आयोग, न्यायपालिका

और नागरिक समाज के बीच संवाद का रास्ता खुला रहना चाहिए।

राहुल गांधी का सड़क पर उतरना कांग्रेस और विपक्ष की राजनीतिक रणनीति हो सकती है, लेकिन इसके पीछे उठया गया मूल सवाल राजनीति से कहीं बड़ा है। क्या भारत का मतदाता अपनी वोट की ताकत को लेकर पूरी तरह आश्वस्त है? इस सवाल का जवाब किसी राजनीतिक दल के भाषण से नहीं, बल्कि निष्पक्ष जांच, पारदर्शी व्यवस्था और संस्थागत विश्वास से मिलना चाहिए। लोकतंत्र में चुनाव केवल जीतने और हारने का माध्यम नहीं है। चुनाव वह प्रक्रिया है जिसके जरिए जनता सत्ता को अधिकार देती है और आवश्यकता पड़ने पर सत्ता वापस भी ले सकती है। इसलिए चुनाव प्रणाली पर उठने वाले हर सवाल को गंभीरता से लेना जरूरी है।

सरकार को विपक्ष की आवाज सुननी चाहिए, विपक्ष को अपने आरोपों के प्रमाण देने चाहिए और निर्वाचन आयोग को अपनी विश्वसनीयता के लिए पारदर्शिता की कसौटी पर खरा उतरना चाहिए। यदि ऐसा होता है तो मंगलवार का टकराव लोकतंत्र के लिए संरक्षक नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को और मजबूत करने का अवसर बन सकता है। क्योंकि लोकतंत्र में सबसे महत्वपूर्ण न सरकार है, न विपक्ष सबसे महत्वपूर्ण है जनता का विश्वास। और जनता का विश्वास तभी कायम रहेगा, जब उसके वोट की पवित्रता पर कोई सवाल अनुत्तरित न रहे।



संक्षिप्त डायरी

श्रीकृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास अध्यक्ष का दावा: पांच करोड़ देकर संत

प्रेमानंद के दरबार में बुलाए गये थे क्रिकेटर विराट कोहली

एजेंसी मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास के अध्यक्ष दिनेश फलाहारी ने मंगलवार आरोप लगाया है कि भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली को संत प्रेमानंद महाराज के दरबार में लाने के लिए कथित तौर पर ०5 करोड़ रुपये दिए गए थे, जिसके बाद संत प्रेमानंद की प्रसिद्धि देशभर में तेजी से बढ़ी। दिनेश फलाहारी महाराज ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर संत प्रेमानंद महाराज की सुरक्षा बढ़ाने (जेड प्लस सुरक्षा) और आश्रम से जुड़ी गतिविधियों की निष्पक्ष जांच की मांग की है। उन्होंने दावा किया कि आश्रम परिसर के आसपास साधु के वेश में कुछ भूमिफिया और सदिग्ध लोग सक्रिय हैं, जो यमुना डूब क्षेत्र की जमीनों की खरीद-फरोख्त कर रहे हैं। इसके साथ ही पत्र में गायब बच्चों और सदिग्ध गतिविधियों को लेकर सीबीआई जांच की मांग भी की गई है। फलाहारी महाराज ने संत प्रेमानंद से विवादों से दूर रहकर गोवर्धन में निवास करने की अपील की है। इन आरोपों और बयानबाजी के बाद ब्रज के कई प्रमुख संत और कथावाचक प्रेमानंद महाराज के समर्थन में उतर आए हैं। भागवताचार्य चित्रलेखा ने कहा कि बिना पूरी जानकारी के किसी महापुरुष पर टिप्पणी करना गलत है। अथूरा ज्ञान खतरनाक होता है और ऐसे में लोगों को मौन रहना चाहिए। वही महंत राजेंद्र दास महाराज (मलूक पीठ) का कहना है कि समाज संतों का योगदान देखे बिना उन पर कीचड़ उछालने में देर नहीं लागता तथा भागवताचार्य अनिरुद्धाचार्य ने मीडिया और आलोचकों पर निशाना साधते हुए कहा कि बिना सच्चाई जाने संत प्रेमानंद महाराज को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। फिलहाल, इन गंभीर दावों के बाद ब्रज क्षेत्र में धार्मिक और प्रशासनिक हलकों के बीच चर्चाएं गर्म हैं।

परिषदीय विद्यालयों में मिड-डे मील की गुणवत्ता परखी

एजेंसी अमेठी। जिलाधिकारी शशांक चौधरी के निर्देश पर बुधवार को जनपद के परिषदीय विद्यालयों में बच्चों को दिए जा रहे मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए व्यापक स्थलीय निरीक्षण अभियान चलाया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संजय तिवारी, खंड शिक्षा अधिकारियों एवं जिला समन्वयक एमडीएम ने विभिन्न विद्यालयों में पहुंचकर भोजन की गुणवत्ता, स्वाद, स्वच्छता एवं पौष्टिकता की जांच की। अधिकारियों ने रसोईघर की सफाई-सफाई, खाद्य सामग्री के सुरक्षित भंडारण, बर्तनों की स्वच्छता, हाथ धुलाई की व्यवस्था और भोजन परोसने की प्रक्रिया का भी निरीक्षण किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला समन्वयक एमडीएम ने गौरीगंज के प्राथमिक विद्यालय पहाड़पुर तथा बीएसए संजय तिवारी ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय गौरीगंज में बच्चों के साथ बैठकर मध्याह्न भोजन ग्रहण किया। निरीक्षण के दौरान भोजन निर्धारित मानकों के अनुरूप और गुणवत्तायुक्त पाया गया। अधिकारियों ने प्रधानाध्यापकों एवं रसोइयों को निर्देश दिए कि भोजन की गुणवत्ता में किसी प्रकार की कमी न आने पाए तथा मेनू के अनुसार ताजा एवं पौष्टिक भोजन के साथ बच्चों को फल और दूध भी अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जाए। बीएसए संजय तिवारी ने कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा और मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता एवं स्वच्छता की नियमित निगरानी आगे भी जारी रहेगी।

सेवा ज्योति कलश यात्रा में दिखा भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह

एजेंसी बलिया। पीएम मोदी के संवैधानिक पद पर 25 वर्ष पूर्ण होने पर सेवा, समर्पण और राष्ट्रभक्ति के संदेश के साथ बुधवार को सेवा ज्योति कलश यात्रा निकाली गई। यात्रा से पूर्वगंगा बहुउद्देश्यीय सभागार में प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन प्रसारित किया गया, जिसे हजारों कार्यकर्ताओं ने सुना। प्रधानमंत्री के संबोधन के बाद सेवा ज्योति कलश यात्रा का शुभारंभ हुआ। यात्रा में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समर्थक शामिल हुए। यात्रा निर्धारित मार्गों से होते हुए शहीद चौक पहुंची, जहां कार्यक्रम का समापन किया गया। यात्रा के दौरान कार्यकर्ताओं में उत्साह दिखाई दिया। हाथों में सेवा ज्योति कलश लेकर कार्यकर्ता अनुशासित ढंग से आगे बढ़ते रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य सेवा, सामाजिक दायित्व और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना को जन-जन तक पहुंचाना बताया गया। कार्यक्रम के दौरान पदाधिकारियों ने सेवा और सामाजिक सरोकारों को आगे बढ़ाने तथा संगठन की गतिविधियों को जनसामान्य तक पहुंचाने का आह्वान किया। शहीद चौक पर यात्रा के समापन के बाद उपस्थित लोगों ने राष्ट्र एवं समाज सेवा के संकल्प के साथ कार्यक्रम का समापन किया। इस अवसर पर भाजपा के जिला प्रभारी प्रेमचंद मिश्रा, जिलाध्यक्ष संजय मिश्रा, पूर्व सांसद भरत सिंह, विधायक केतकी सिंह, उपेंद्र तिवारी, विनोद शंकर दुबे, विजय बहादुर सिंह, सुनीता श्रीवास्तव, प्रदीप सिंह, नितेश मिश्रा,सजीव सिंह सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दशहरे पर किसानों को कृषि यंत्रों पर मिलेगा अनुदान का लाभ

एजेंसी औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में दशहरा पर्व के अवसर पर किसानों को कृषि यंत्रों पर अनुदान का लाभ लेने का एक और अवसर दिया गया है। उप कृषि निदेशक दुर्गेश कुमार सिंह ने जनपद के किसानों को सूचित किया है कि कृषि विभाग की ओर से संचालित नेशनल मिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन के तहत सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन, प्रमोशन आफ एग्री कल्चर केमैनाइजेशन फॉर इन-सीटू मैनेजमेंट ऑफ क्रॉप रेज्ड्यू तथा अन्य योजनाओं के अवशेष कृषि यंत्रों की ऑनलाइन बुकिंग कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि कृषि यंत्रों को बुकिंग ०7 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे से 2० अक्टूबर की रात 12 बजे तक की जा सकेगी। किसान अपने कृषि पंजीकरण में दर्ज मोबाइल नंबर से टोकन प्राप्त कर ऑनलाइन आवेदन कर सकेगे। शासन के दिशा-निर्देशों के अनुसार 1०,००1 रुपये से एक लाख रुपये तक अनुदान वाले कृषि यंत्रों के लिए 2,5०0 रुपये तथा एक लाख रुपये से अधिक अनुदान वाले कृषि यंत्रों के लिए 5,००0 रुपये जमानत धनराशि निर्धारित की गई है। उप कृषि निदेशक ने बताया कि इस बार कृषि यंत्रों को बुकिंग कार्याखंड स्तर पर नहीं होगी। जनपद स्तर पर योजनाओं के अंतर्गत उपलब्ध अंशेष लक्ष्यों के अनुसार बुकिंग की जाएगी। किसानों से अपील की गई है कि निर्धारित अवधि में अपनी पसंद के कृषि यंत्र की ऑनलाइन बुकिंग कर योजना का लाभ उठाएं। ऑनलाइन आवेदन के लिए किसान विभागीय पोर्टल पर जाकर हार्बर्ज बुकिंग प्रारम्भिक विकल्प पर क्लिक कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए किसान उप कृषि निदेशक कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

बीएचयू में कथित गलत सर्जरी मामले की फिर होगी जांच, मानवाधिकार आयोग के निर्देश पर सीएमओ ने गठित की टीम

एजेंसी वाराणसी। आईएमएस बीएचयू के ट्रॉमा सेंटर में मरीज की कथित गलत सर्जरी किए जाने के मामले में अब नए सिरे से जांच शुरू हो गई है। मानवाधिकार आयोग के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एनपी सिंह ने जांच के लिए टीम गठित की है। टीम मरीज के भर्ती होने से लेकर ऑपरेशन थिएटर तक पहुंचने की पूरी प्रक्रिया की पड़ताल करेगी। इलाज, जांच, चिकित्सकीय परामर्श, भर्ती और शल्य चिकित्सा से जुड़े अभिलेख भी जांच के दायरे में होंगे। जांच काराकर रिपोर्ट संबंधित अधिकारियों को भेजी जा चुकी है। हालांकि, शिकायतकर्ता ने जांच रिपोर्ट पर आपत्ति जताई थी। इसके बाद मानवाधिकार



आयोग ने मामले की दोबारा जांच कराने का निर्देश दिया। आयोग ने जिलाधिकारी और सीएमओ को जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा था। इसी क्रम में सीएमओ स्तर से जांच शुरू की गई है। एक

विश्वविद्यालय के विकास के लिए त्याग और समर्पण जरूरी : प्रो. आरके सिंह

एजेंसी जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में बुधवार को कुलपति प्रो. आर.के. सिंह की अध्यक्षता में शिक्षकों एवं सॉ्वदा शिक्षकों की बैठक हुई। इसमें विश्वविद्यालय के शैक्षणिक एवं समग्र विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया।कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि किसी भी संस्थान की पहचान वहां के विद्यार्थियों की उपलब्धियों और शिक्षकों के सामूहिक प्रयासों से होती है। विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा के लिए शिक्षकों में टीम भावना, आपसी सहयोग और संस्थान के प्रति समर्पण जरूरी है। प्रत्येक शिक्षक को विश्वविद्यालय की उन्नति में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि संस्थान को आगे बढ़ाने के लिए समय की बाध्‍यता से परे जाकर कार्य करनी, नई पहल करने और जिम्मेदारियों का निष्पूरवक निर्वहन करने की आवश्यकता है। त्याग, समर्पण और निरंतर प्रयास से ही किसी संस्थान को नई उंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। कुलपति ने विश्वविद्यालय के उपलब्ध संसाधनों का विद्यार्थियों के हित में अधिकतम उपयोग करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की प्रतिभा और विश्वविद्यालय के संसाधनों को उद्योग जगत

से जोड़कर प्रशिक्षण, इंर्नशिप, रोजगार और उद्योगिता के अवसर बढ़ाए जा सकते हैं। इसके लिए उद्योगों, संस्थानों एवं व्यावसायिक संगठनों के साथ समन्वय स्थापित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जेपीएल में माध्यम से की जा रही पहल इस दिशा में महत्वपूर्ण शुरुआत है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में उत्साह का वातावरण तैयार करना और उन्हें रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ना है। छोटी-छोटी पहल बड़े बदलाव की नींव रखती हैं।प्रो. सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों में उत्साह, नवाचार और सहभागिता का वातावरण तैयार करने के लिए विश्वविद्यालय का मजबूत विकास रोडमैप बनाया जाएगा। इसके लिए सभी विभागों से सुझाव और इनपुट लिए जाएंगे। प्राप्त सुझावों के आधार पर आयोजन एवं कार्योजना तैयार कर उसका प्रभावी प्रस्तुतीकरण किया जाएगा।

बैठक में विभिन्न विभागों के शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं विकासत्मक विषयों पर भी चर्चा हुई। कुलपति ने सभी शिक्षकों और विभागों से सक्रिय सहयोग की अपेक्षा करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से विश्वविद्यालय को शैक्षणिक उत्कृष्टता, विद्यार्थियों की उपलब्धियों और सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में नई पहचान दिलाई जा सकती है।

आयुष्मान भारत ने दिया स्वास्थ्य सुरक्षा का मजबूत कवच : ब्रजेश पाठक

एजेंसी लखनऊ । प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के सफलतापूर्वक आठ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बुधवार को लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में ह्यआयुष्मान संवादह्न कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि ह्यआयुष्मान भारतह्न प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ह्रसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयासह्न के संकल्प को साकार करते हुए करोड़ों गरीब एवं दलित परिवारों के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा का मजबूत कवच बना है। उपमुख्यमंत्री पाठक ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार का लक्ष्य प्रत्येक पात्र परिवार तक आयुष्मान योजना का लाभ पहुंचाना है। इसके साथ ही मरीजों को गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने के लिए

उत्तरप्रदेश

बीएचयू में कथित गलत सर्जरी मामले की फिर होगी जांच, मानवाधिकार आयोग के निर्देश पर सीएमओ ने गठित की टीम



ही नाम की दो मरीजों से हुआ भ्रम मामला सात मार्च का बताया जा रहा है। बलिया निवासी 71 वर्षीय राधिका देवी रीढ़ की हड्डी में द्युमर के उपचार के लिए ट्रॉमा सेंटर के न्यूरोसर्जरी विभाग में भर्ती

सेवा संकल्प अभियान के समापन पर मां गंगा की उतारी आरती, दुग्धाभिषेक कर पीएम के यशस्वी जीवन की कामना

एजेंसी वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर नमामि गंगे की ओर से सामने घाट पर विशेष आयोजन किया गया। ह्रसेवा संकल्प अभियानह्न के तहत आयोजित कार्यक्रम में मां गंगा की आरती उतारी गई और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वस्थ, दीर्घायु एवं निरंतर राष्ट्रसेवा के लिए प्रार्थना की गई। इस दौरान दूध से मां गंगा का अभिषेक कर बाबा विश्वनाथ और मां गंगा से प्रधानमंत्री के लिए आशीर्वाद मांगा गया। नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक एवं नगर निगम के स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर राजेश शुक्ला के अतिथित्व में हुए कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रध्वज तिरंगा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर लेकर मंत्रोच्चार के बीच उनके सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों का अभिनंदन किया। धार्मिक परंपरा के अनुरूप हुए आयोजन में प्रधानमंत्री के कार्यालय से जुड़े विकास और जनकल्याण के कार्यों का भी उल्लेख



किया गया। गंगा तट की सफाई कर दिया स्वच्छता संदेश कार्यक्रम के दौरान गंगा तट पर सफाई अभियान भी चलाया गया। आयोजकों ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छता को जनअभियान से जोड़ने का संदेश दिया है। इसी क्रम में गंगा सेवकों ने तट की सफाई कर लोगों से गंगा को स्वच्छ और निर्मल बनाए रखने में सक्रिय भागीदारी की अपील की। राजेश शुक्ला ने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर देश के प्रधानमंत्री तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्ष

की सार्वजनिक जीवन यात्रा सुशासन, विकास और जनकल्याण के प्रति समर्पण की यात्रा रही है। उन्होंने कहा कि इस अवधि में देश ने विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। जनकल्याण योजनाओं और सांस्कृतिक कार्यों का किया उल्लेख कार्यक्रम में आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना, जनधन योजना, डिजिटल भुगतान, स्वच्छ भारत मिशन और जीएसटी जैसी पहलों का उल्लेख किया गया। वक्ताओं ने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े

वडनगर से पहुंचे सेवा संकल्प यात्रियों का भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने काशी में किया स्वागत

एजेंसी वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन और जनसेवा के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में गुजरात के वडनगर से निकली सेवा संकल्प यात्रा बुधवार को काशी पहुंची। करीब 14०० किलोमीटर की यात्रा पूरी कर वाराणसी पहुंचे बाइकर्स का भाजपा कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक स्वागत किया। संप्रानंद संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी यात्रियों के कार्य किए हैं, वह सभी के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने गुजरात के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और अब लंबे समय से देश की सेवा में जुटे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के सेवाभाव, समर्पण और कार्यशैली से प्रेरणा लेकर कार्यकर्ताओं को भी जनसेवा के लिए

कार्यकर्ताओं की चिंता थी, लेकिन सभी ने सफलतापूर्वक यात्रा पूरी कर काशी की धरती पर पहुंचकर अपना संकल्प पूरा किया है। उन्होंने सभी यात्रियों का हार्दिक अभिनंदन और स्वागत किया। वडनगर से काशी तक का सफर रहा खास पंकज चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जन्मभूमि वडनगर से कर्मभूमि काशी तक की यह यात्रा विशेष महत्व रखती है। पिछले 25 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस तरह जनसेवा और राष्ट्र निर्माण के कार्य किए हैं, वह सभी के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने गुजरात के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और अब लंबे समय से देश की सेवा में जुटे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के सेवाभाव, समर्पण और कार्यशैली से प्रेरणा लेकर कार्यकर्ताओं को भी जनसेवा के लिए

आगे बढ़ना चाहिए। स्वच्छता और पौधरोपण का दिया संदेश सेवा संकल्प यात्रा के दौरान बाइकर्स ने रास्ते में सुशासन, सेवा और समर्पण के साथ केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का संदेश दिया। यात्रा के दौरान स्वच्छता अभियान, पौधरोपण और जन चौपाल जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को जोड़ा गया। यात्रा में शामिल करीब 7०0 बाइकर्स ने लगभग 14०0 किलोमीटर का सफर तय किया। 17 सिंहरा को वडोदरा से रवाना हुई यात्रा विभिन्न क्षेत्रों से होते हुए काशी पहुंची। पवित्र नदियों के जल से बाबा विश्वनाथ का अभिषेक प्राधनुमो के जिला मंत्री शिशिर सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जनसेवा के 25 वर्ष पूरे होने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि बाबा विश्वनाथ से प्रार्थना है

आयुष्मान भारत ने दिया स्वास्थ्य सुरक्षा का मजबूत कवच : ब्रजेश पाठक



अवश्य बनवाएं और योजना से संबंधित जानकारी केवल अधिकृत माध्यमों से ही प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि सरकार का संकल्प है कि कोई भी पात्र परिवार आयुष्मान कार्ड से वंचित न रहे और आर्थिक अभाव के कारण किसी भी पात्र मरीज का

आवश्यक उपचार न रुके। कार्यक्रम में प्रमुख सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य हेकाली वी. झिमोमी, सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य ऋतु माहेश्वरी, निदेशक, एनएचए डॉ. पीयूष सिंगला, मुख्य कार्यपालक अधिकारी अर्चना

वर्मा, महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य डॉ. पवन कुमार अरुण, महानिदेशक, ट्रेनिंग डॉ. रंजना खरे, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, एनएवीएफ डॉ. पराग रिंदनी सहित चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तथा अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

नए डायरेक्टर के साथ काम करने पर बोले आयुष्मान खुराना



आयुष्मान खुराना इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म ‘उड़ता तीर’ को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में वह एक पाकिस्तानी जासूस बिलाल अहमद के किरदार में नजर आएंगे, जिसे अपनी यादशत खोने के बाद यकीन होने लगता है कि वह भारतीय है। फिल्म को लेकर उत्साहित आयुष्मान ने कहा कि वह किसी फिल्म को साइन करते समय यह नहीं देखते कि डायरेक्टर पहली फिल्म बना रहा है या दसवीं। उनके लिए सबसे ज्यादा मायने रखती है कहानी और उसे लेकर फिल्ममेकर का विजन।

बता दें कि आयुष्मान अपने करियर में लगातार ऐसी फिल्मों का हिस्सा बने हैं, जिनमें एंटरटेनमेंट के साथ अलग और मजबूत कहानी भी हो। ‘दम लगा के हईशा’, ‘शुभ मंगल सावधान’, ‘झीम गर्ल’, ‘शुभ मंगल ज्यादा सावधान’ और ‘डॉक्टर जी’ जैसी फिल्मों में काम करने के बाद अब वह ‘उड़ता तीर’ में राइटर आकाश ए. कोशिक के साथ नजर आएंगे। नए डायरेक्टर के साथ काम करने को लेकर आयुष्मान ने कहा, ‘मेरे लिए स्क्रिप्ट हमेशा सबसे पहले आती है। मैं यह नहीं देखता कि कोई फिल्ममेकर अपनी पहली फिल्म डायरेक्ट कर रहा है या दसवीं। मैं यह देखता हूँ कि उनके पास ऐसी कहानी और विजन है या नहीं, जो मुझे आकर्षित कर सके। मेरे करियर में सबसे

यादगार अनुभव नए और अलग तरह के लोगों के साथ काम करने से आए हैं।’ उन्होंने कहा, ‘नए फिल्ममेकर्स अपने साथ एक अलग तरह की भूख, ताजगी और हिम्मत लेकर आते हैं। उनमें जानी-पहचानी कहानियों को अलग नजरिए से देखने का साहस होता है। मैंने हमेशा माना है कि अगर किसी कहानी के पीछे विश्वास मजबूत है, तो उसे सपोर्ट

किया जाना चाहिए।’ उन्होंने कहा, ‘हर नया डायरेक्टर सेट पर एक अलग एनर्जी लेकर आता है। ‘उड़ता तीर’ में मुझे सिर्फ इसका जॉनर ही अपनी तरफ नहीं खींच रहा था, बल्कि आकाश ने जो दुनिया बनाई थी, वह भी मुझे बहुत पसंद आई। ऐसी स्क्रिप्ट मिलना आसान नहीं है, जो भ्रम, मजेदार, इमोशनल जैसी भावनाओं को एक साथ लेकर आए। साथ ही,

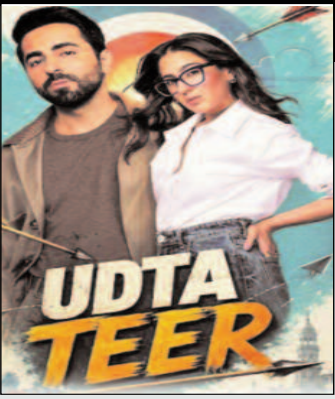
जो किसी बड़े विचार से जुड़ी हो।’ आयुष्मान ने कहा, ‘मैं आकाश के विजन में पूरी तरह उतरना चाहता था और अपने किरदार को खुद को एक ऐसी जगह ले जाने देना चाहता था, जिसकी मैंने पहले से उम्मीद नहीं की थी। फिल्म की यही अलग दुनिया और किरदार मुझे इस प्रोजेक्ट की तरफ लेकर आई।’

‘दृश्यम 3’ से डरे आयुष्मान खुराना, टली उड़ता तीर की रिलीज डेट

अपकमिंग फिल्म ‘उड़ता तीर’ अपने ट्रेलर और चल रहे प्रमोशन से काफी चर्चा बटोर रही है। फिल्म को लेकर अच्छा रिसपोन्स मिल रहा है। ऐसे में मेकर्स ने बड़ा फैसला लेते हुए इसकी रिलीज डेट बढ़ा दी है। आइए जानते हैं इसकी क्या वजह है? आपको बता दें कि अजय देवगन की फिल्म ‘दृश्यम 3’ ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत की है। अंदाजा लगाया जा रहा है कि यह फिल्म अगले कुछ दिनों तक अच्छा कलेक्शन करेगी। ऐसे में

‘उड़ता तीर’ के मेकर्स ने समझदारी भरा फैसला लेते हुए फिल्म की रिलीज की तारीख 9 अक्टूबर से आगे बढ़ा दी है। अब यह फिल्म 23 अक्टूबर को रिलीज होगी। फिल्म ‘दृश्यम 3’ के अलावा आज सिनेमाघरों में ‘प्रेम कीटाणु’ भी रिलीज हुई है। 16 अक्टूबर को यामी गौतम की फिल्म ‘नई नवेली’ रिलीज होने वाली है। वहीं 16 अक्टूबर को राज कुमार राव की ‘प्रहार’ भी रिलीज होने वाली है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक

मेकर्स ने अक्टूबर के महीने में रिलीज होने वाली फिल्मों का आकलन किया। उन्होंने इस भीड़ से बचने के लिए और ‘उड़ता तीर’ को ज्यादा स्क्रीन देने के लिए यह बड़ा फैसला लिया। फिल्म में आयुष्मान खुराना मुख्य भूमिका में हैं, साथ ही सारा अली खान, गुलशन ग्रोवर, मुकुल देव और राम कपूर भी हैं। फिल्म अब 23 अक्टूबर के वीकेंड पर रिलीज होगी। उम्मीद है कि सिनेमाघरों में रिलीज से पहले इसका और प्रमोशन किया जाए।



विराट आउट तो नाना नहीं खाते थे खाना



अभिनेता के दिल के बहुत करीब था क्रिकेट

मुंबई, एजेंसी। अब जब नाना पाटेकर हमारे बीच नहीं हैं तो उनकी यादों के सहारे ही इस दिग्गज कलाकार को अंतिम विदाई दी जा रही है। 75 साल की उम्र में आज को दुनिया छोड़ने वाले नाना पाटेकर क्रिकेट के भारी शौकीन थे। विराट कोहली उनके पसंदीदा क्रिकेटर थे। एक पुराने इंटरव्यू में नाना ने खुद बताया था कि कोहली को आउट होने के बाद उन्हें खाना खाने का मन नहीं करता। वह खाना छोड़ देते हैं। अपने दमदार अभिनय और बेबाक अंदाज के लिए मशहूर नाना पाटेकर को क्रिकेट को लेकर दीवानगी किसी से छिपी नहीं थी। नाना ने जिस शिद्दत से विराट के लिए खाने छोड़ने की बात कही थी, तब उनकी आंखों में क्रिकेट के लिए झलकता प्यार देखते ही बनता था। विराट कोहली मेरे पसंदीदा खिलाड़ी हैं।

मीम्स की दुनिया में वायरल होने लगते थे नाना

उस इंटरव्यू के बाद विराट कोहली जब भी जल्दी आउट होते या रनों की बरसात करते तो इंटरनेट पर नाना की भूख से जोड़कर कई मजेदार मीम्स वायरल होने लगते। नाना ने क्रिकेट और सिनेमा की तुलना भी की थी। कहा था कि दोनों ही जगह परीक्षा होती है। क्रिकेटर्स की परीक्षा पांच दिन तक चलती है तो कलाकारों की डेढ़ से दो साल तक चल सकती है।

8 अक्टूबर को अचानक कहा दुनिया को कहा अलविदा

आठ अक्टूबर की सुबह पांच बजकर 10 मिनट पर नाना पाटेकर को मृत घोषित किया गया। डॉ. शंकर सालकर ने बताया कि लगातार 45 मिनट तक ‘सीपीआर’ दिए जाने के बावजूद वह होश में नहीं आए। वह गोवा की राजधानी पणजी के पास डोना पाउला स्थित अपने अपार्टमेंट में बेहोश पाए गए, जिसके बाद उन्हें एक प्राइवेट हॉस्पिटल में ले जाया गया।

खेल जगत ने दिग्गज अभिनेता को दी श्रद्धांजलि

नाना पाटेकर के निधन पर कोहली ने शोक व्यक्त किया है। कोहली ने एक्स पर लिखा, ‘भारतीय सिनेमा के दिग्गज। उनका काम और विरासत पीढ़ियों तक जीवित रहेगा। आपकी आत्मा को शांति मिले नाना पाटेकर जी। ओम शांति।’ मालूम हो कि पाटेकर ने एक बार इंटरव्यू में कहा था कि विराट कोहली उनके पसंदीदा क्रिकेटर हैं और कोहली के जल्दी आउट होने पर उनका खाना खाने का मन नहीं करता। शिखर धवन ने कहा, ‘आज भारतीय सिनेमा ने एक बेहद खास कलाकार को खो दिया है। नाना पाटेकर साहब, आपका काम पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। ओम शांति।’ पूर्व भारतीय कप्तान अजिंक्य रहाणे ने पाटेकर को एक बेहतरीन अभिनेता बताया, जिनके काम ने कई पीढ़ियों को प्रेरित और उनका मनोरंजन किया। रहाणे ने उनके निधन पर दुःख जताया। रहाणे ने एक्स पर लिखा, नाना पाटेकर जी सचमुच एक बेहतरीन अभिनेता थे, जिनके काम ने कई पीढ़ियों को प्रेरित और उनका मनोरंजन किया है। उनके निधन की खबर सुनकर बहुत दुःख हुआ। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे। युवराज सिंह ने एक्स पर लिखा, सिनेमा ने एक सच्चे लीजेंड को खो दिया है, जो अब तक के सबसे बेहतरीन एक्टर में से एक थे। मुझे याद है कि मैंने उनकी कई फिल्में देखीं और उनकी आवाज, उनकी मौजूदगी और उनकी यादगार परफॉर्मेंस से मंत्रमुग्ध हो गया। उनके परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं। ओम शांति। मशहूर क्रिकेट कमेंटरेटर हर्षा भोगले ने एक्स पर लिखा, अरे नहीं। एक बढ़िया एक्टर, स्क्रीन पर डेंट्स और जिंदगी में डेंट्स। स्टेशन पर शानदार और इतनी आकर्षक उपस्थिति। सब कुछ सौ प्रतिशत किया। कितना दुःख दिन है। नाना पाटेकर। दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने नाना पाटेकर को श्रद्धांजलि देते हुए लिखा, मुझे नाना पाटेकर एक बहुत ही सीधे-सादे और जमीन से जुड़े इंसान के तौर पर याद हैं। उनके काम में भी वही ईमानदारी झलकती थी। चाहे मराठी हो या हिंदी, उन्होंने जिन भी किरदारों को निभाया, उनमें हमेशा एक सच्चाई और असलियत दिखाई। उनके जाने की खबर सुनकर बहुत दुःख हुआ।

पूर्व भारतीय स्पिनर का दावा, बोले-न्यूजीलैंड दौरे पर होगी नजर

विश्वकप टीम में जगह बना सकते हैं भुवनेश्वर!

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करने पर भुवनेश्वर कुमार के लिए भारतीय वनडे टीम के दरवाजे खुल सकते हैं। इतना ही नहीं अश्विन ने कहा कि भुवनेश्वर अगले साल होने वाले 50 ओवर के विश्व कप में जसप्रीत बुमराह के साथ भारतीय टीम का हिस्सा बन सकते हैं।

चार साल बाद राष्ट्रीय टीम में की है वापसी भुवनेश्वर को चार साल के अंतराल के बाद न्यूजीलैंड दौरे के लिए चुनी गई टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में जगह मिली है। भुवनेश्वर ने अपना पिछला वनडे मैच 2022 में पार्ल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेला था। उत्तर प्रदेश के इस तेज गेंदबाज ने अब तक 121 वनडे मैच में 141 विकेट लिए हैं। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, वह अब न्यूजीलैंड जा रहे हैं। मैं आपको बता रहा हूँ, अगर भुवनेश्वर अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो हर कोई तुरंत कहेगा कि उन्हें वनडे टीम में भी शामिल करेंगे। चयनकर्ता उन पर बहुत करीब से नजर रखेंगे। अगर वह गेंद को स्विंग करते हैं और अच्छी फिटनेस दिखाते हैं तो जसप्रीत बुमराह और भुवनेश्वर कुमार को विश्व कप के लिए एक ही विमान में जाने से कोई नहीं रोक सकता। भुवनेश्वर विश्व कप की पहली गेंद भी डाल सकते हैं।

धनंजय डिसिल्वा ने छोड़ी श्रीलंका की टेस्ट कप्तानी

नई दिल्ली। श्रीलंका के टेस्ट कप्तान धनंजय डिसिल्वा ने तत्काल प्रभाव से कप्तानी छोड़ने का फैसला किया है। 35 वर्षीय डिसिल्वा ने अपने फैसले की जानकारी श्रीलंका क्रिकेट की चयन समिति को दे दी है। हालांकि, वह बतौर खिलाड़ी चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे और टीम में अपनी सेवाएं जारी रख सकते हैं। जनवरी 2024 में श्रीलंका की टेस्ट टीम की कप्तानी संभालने वाले धनंजय ने अपने फैसले की वजह भी स्पष्ट की है। उन्होंने चयन समिति को लिखे पत्र में कहा, ‘मेरा मानना है कि अब बागडोर अगली पीढ़ी को सौंपी जानी चाहिए।’ डिसिल्वा का यह फैसला श्रीलंका के टेस्ट क्रिकेट में नेतृत्व परिवर्तन की दिशा में अहम माना जा रहा है धनंजय डिसिल्वा का टेस्ट करियर शानदार रहा है। उन्होंने श्रीलंका के लिए 69 टेस्ट मैच खेले हैं और इस दौरान 13 शतकों की मदद से 4400 से अधिक रन बनाए हैं। बतौर बल्लेबाज इन के अहम खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं और लंबे समय तक श्रीलंका के टेस्ट मध्यक्रम को मजबूती देते रहे हैं। कप्तानी छोड़ने के बाद भी उनका अंतरराष्ट्रीय करियर खत्म नहीं हुआ है और वह खिलाड़ी के तौर पर उपलब्ध रहेंगे। धनंजय डिसिल्वा ने जनवरी 2024 में श्रीलंका की टेस्ट टीम की कप्तानी संभाली थी। इसके बाद उन्होंने टीम की अगुआई करते हुए पारंपरिक प्रारूप में अपनी जिम्मेदारी निभाई।



फिटनेस बरकरार रखने का भरोसा

अश्विन ने कहा कि 36 वर्षीय भुवनेश्वर की तेज गति से गेंद को स्विंग कराने की क्षमता दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया जैसी परिस्थितियों में काफी उपयोगी साबित हो सकती है। अश्विन ने उम्मीद जताई कि भुवनेश्वर अपनी फिटनेस बरकरार रखेंगे क्योंकि अतीत में उन्हें चोटों से जूझना पड़ा है। उन्होंने कहा, मैं एक बार फिर यह कहने का जोखिम उठा रहा हूँ कि अगर उन्होंने थोड़ी अधिक मेहनत की होती, समय सही रहा होता और वे उन चोटों से बच पाए होते तो उनके पास जो कौशल है उसके दम पर वह सभी प्रारूपों में भारत के लिए एक बड़े खिलाड़ी बन सकते थे।

पंजाब किंग्स को बड़ा झटका, कोचिंग स्टाफ के दो अहम सदस्यों ने दिया इस्तीफा



नई दिल्ली। आईपीएल 2027 से पहले श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली पंजाब किंग्स को बड़ा झटका लगा है। टीम के मुख्य कोच रिकी पॉटिंग के कोचिंग स्टाफ के दो अहम सदस्यों ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर जेम्स होप्स और ब्रैंड हैडिन अब पंजाब किंग्स के साथ नजर नहीं आएंगे। जेम्स होप्स को ऑस्ट्रेलियाई घरेलू टीम क्वींसलैंड का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही वह बिग बैश लीग की टीम ब्रिस्बेन हीट की कप्तान भी संभालेंगे। वहीं, ब्रैंड हैडिन ने न्यू साउथ वेल्स के मुख्य कोच का पद संभाल लिया है और उन्हें भी BBL में भूमिका मिलने की संभावना जताई जा रही है। होप्स और हैडिन के जाने के अलावा पंजाब किंग्स पहले ही स्पिन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतले की सेवाएं खो चुकी हैं। बहुतले अब गौतम गंभीर की अगुआई वाली भारतीय पुरुष सीनियर टीम के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा हैं। ऐसे में IPL 2027 से पहले PBKS को सपोर्ट स्टाफ में तीन अहम पदों के लिए नए चेहरों की तलाश करनी होगी। एक सूत्र के मुताबिक, ‘मुख्य कोच ही सपोर्ट स्टाफ में रिप्लेसमेंट को लेकर फैसला करेंगे।’ रिकी पॉटिंग की अगुआई में पंजाब किंग्स ने पिछले सीजन की शुरुआत बेहद शानदार तरीके से की थी और टीम ने लंबे समय बाद आईपीएल फाइनल तक का सफर तय किया था।

दूसरे टी-20 से पहले भारत की ओपनिंग को लेकर दुविधा

संजू सैमसन की खराब फॉर्म बनी चिंता, मैच आज

रांची, एजेंसी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबला शुक्रवार को रांची में खेला जाएगा। पहले मैच में शानदार जीत दर्ज करने के बाद भारतीय टीम की नजर सीरीज में 2-0 की बढ़त बनाने पर है। हालांकि टीम प्रबंधन के सामने सबसे बड़ा सवाल सलामी जोड़ी को लेकर है, जहां संजू सैमसन और युवा वैभव सूर्यवंशी में से किसी एक को लेकर फैसला किया जा सकता है।

संजू सैमसन की खराब फॉर्म बनी चिंता

भारतीय टीम के लगभग सभी प्रमुख बल्लेबाज इस समय अच्छे फॉर्म में हैं, लेकिन संजू सैमसन का बल्ला खामोश है। वह अपनी पिछली चार झट्टी पारियों में सिर्फ 29 रन बना पाए हैं और इस दौरान उनका सर्वोच्च स्कोर महज 11 रन रहा है। उनकी असफलता के कारण भारत को पारी की शुरुआत में अपेक्षित गति नहीं मिल पा रही है, हालांकि मध्यक्रम ने इसकी भरपाई की है।

वैभव सूर्यवंशी को मिल सकता है मौका

ऐसे में टीम प्रबंधन युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को अभिषेक शर्मा के साथ पारी का आगाज करने का मौका दे सकता है। 15 वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज ने अब तक मिले मौकों में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से प्रभावित किया है। उनके पास कई तरह के शॉट हैं और वह पावरप्ले में तेजी से रन बनाकर विपक्षी गेंदबाजों पर दबाव बनाने की क्षमता रखते हैं।

अल्काराज, सिनर और ओसाका समेत कई स्टार 1 प्वाइंट स्लैम में लेंगे हिस्सा

मेलबर्न: दुनिया के कई दिग्गज टेनिस खिलाड़ी अगले साल जनवरी में होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन के 1 प्वाइंट स्लैम में हिस्सा लेंगे। इनमें कार्लोस अल्काराज, कोको गॉफ, नाओमी ओसाका और यानिक सिनर जैसे बड़े नाम शामिल हैं। 1 प्वाइंट स्लैम में वे स्टा र खिलाड़ी पेशेवर और एमेच्योर क्वालीफायर खिलाड़ियों के खिलाफ मुकाबला करेंगे। इस अनोखे टूर्नामेंट में कुल 10 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर की पुरस्कार राशि दांव पर होगी। ऑस्ट्रेलियन ओपन के आयोजकों ने गुरुवार को अगले साल के टूर्नामेंट के कार्यक्रम की घोषणा की। इसके साथ ही 1 प्वाइंट स्लैम के लिए क्वालीफाइंग प्रतियोगिताएं पूरे ऑस्ट्रेलिया में जारी हैं। इस प्रतियोगिता का सबसे खास नियम यह है कि खिलाड़ी केवल एक अंक के लिए मुकाबला करते हैं। यानी एक ही प्वाइंट पूरे मैच का नतीजा तय कर सकता है। 1 प्वाइंट स्लैम का फाइनल 13 जनवरी को मेलबर्न के रॉड लेवर एरिना में खेला जाएगा।



एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी हॉकी: पाकिस्तान की जगह बांग्लादेश की एंट्री

नई दिल्ली। एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी पुरुष हॉकी टूर्नामेंट में पाकिस्तान की जगह बांग्लादेश को शामिल किया गया है। 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक जालंधर और मोहाली में होने वाले इस टूर्नामेंट में मेजबान भारत के अलावा जापान, चीन, मलेशिया, दक्षिण कोरिया और बांग्लादेश की टीमें हिस्सा लेंगी। पंजाब में करीब दो दशक बाद इस टूर्नामेंट के जरिए अंतरराष्ट्रीय हॉकी की वापसी होगी। हाल ही में जापान के आइची-नागोया में एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 के लिए क्वालीफाई करने वाली भारतीय टीम की नजरें एशियाई स्तर पर अपना दबदबा कायम रखने पर होगी। हॉकी इंडिया के अनुसार, छह टीमों वाले टूर्नामेंट में पाकिस्तान की जगह बांग्लादेश को शामिल किया गया है। बांग्लादेश और ओमान को पहले रिजर्व टीमों में रखा गया था। पिछले महीने पंजाब के मुख्यमंत्री भागवत मान ने मोहाली में टूर्नामेंट के कार्यक्रम की घोषणा करते समय पाकिस्तान के टूर्नामेंट में हिस्सा लेने की बात कही थी।

यूपी में नकली और पुराने नोटों के नेटवर्क का भंडाफोड़, 1.43 करोड़ के बंद नोट बरामद, नेटवर्क तलाश रही पुलिस

हापुड़ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में जाली करेंसी और पुराने, बंद हो चुके नोटों के बड़े पैमाने पर नेटवर्क का खुलासा हुआ है। हाल ही में जहां एक ओर बैंकों में 17 करोड़ से अधिक के नकली नोटों की जांच चल रही है, वहीं अब हापुड़ में 1.43 करोड़ रुपये मूल्य के पुराने, बंद हो चुके नोट बरामद किए गए हैं। हापुड़ देहात पुलिस ने यह बड़ी सफलता ततारपुर चौकी क्षेत्र में स्थित एक पेट्रोल पंप के पास हासिल की, जब चेंकिंग अभियान के दौरान एक सदिग्ध बाइक सवार को रोका गया। पुलिस के रोकने पर युवक ने भागने का प्रयास किया, लेकिन घेराबंदी कर उसे धर दबोचा गया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से भारी मात्रा में बंद हो चुके पुराने नोटों के बंडल बरामद हुए, जिनकी कुल धनराशि करीब 1.43 करोड़ रुपये आंकी गई है।

हिंदी कवर वाली दवाओं के वितरण पर रोक

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के कोयंबटूर और करूर के सरकारी अस्पतालों में दवाएं रखने वाले तीन भाषाओं में छ्गे कवर का वितरण रोक दिया गया है। इन पर दवा की खुराक संबंधी जानकारी तमिल, अंग्रेजी और हिंदी में छपी थी। द्रमुक नेता टीआरवी राजा ने आरोप लगाया कि राज्य के सरकारी अस्पतालों में भाषी भाषा नीति लागू की जा रही है। वहीं, अधिकारियों ने कहा कि इनका इस्तेमाल 18 महीने से हो रहा है। पिछली सरकार के कार्यकाल में भी इनका उपयोग हुआ था। राज्य में हिंदी विरोध का इतिहास आजादी से पहले का है। 1937 में स्कूलों में हिंदी को अनिवार्य किए जाने के खिलाफ पेरियार के नेतृत्व में आंदोलन हुआ था। 1965 में विरोध-प्रदर्शन में 60 से अधिक की मौत हुई। इसके बाद तमिलनाडु ने तमिल और अंग्रेजी की दो-भाषा नीति अपनाई और केंद्र की तीन-भाषा नीति का लगातार विरोध करता रहा।

कनाॅट प्लेस में कश्मीरी युवक से मारपीट, भाजपा ने कांग्रेस पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष के प्रदर्शन के बीच दिल्ली के कनाॅट प्लेस में एक युवक के साथ कथित मारपीट का मामला सामने आया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का समर्थक होने का दावा करने वाले कश्मीरी युवक ने आरोप लगाया कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उसके साथ मारपीट की। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आरोप था कि युवक लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ अपशब्द कह रहा था। मारपीट का शिकार हुए युवक ने कहा कि उसने केवल यह सवाल उठाया था कि जब विपक्ष चुनाव जीतता है तो उसे ईवीएम से परेशानी क्यों नहीं होती। उसने ईवीएम के इस्तेमाल को लेकर भी सवाल उठाया और कहा कि वह कश्मीर का रहने वाला है तथा उसने राहुल गांधी को गाली नहीं दी। युवक ने कहा कि वह देश का नागरिक है और भारत को दूसरा नेपाल नहीं बनने देगा। इस मामले को लेकर भाजपा ने कांग्रेस पर निशाना साधा। भाजपा प्रवक्ता सिद्धार्थ यादव ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी जिस राजनीतिक मॉडल को देशभर में आगे बढ़ाना चाहते हैं, उसकी तस्वीर कनाॅट प्लेस की घटना से सामने आ गई है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एक कश्मीरी मुस्लिम युवक को बुरी तरह पीटा। यादव ने सवाल उठाया कि यदि राजधानी में राजनीतिक विरोध के दौरान मारपीट होती है तो क्या इसे लोकतंत्र कहा जा सकता है। उन्होंने कांग्रेस पर संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की बात करने के बावजूद उनके विपरीत आचरण करने का आरोप लगाया। घटना ऐसे समय हुई जब कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के नेता कनाॅट प्लेस में लंब मीटिंग के लिए जुट रहे थे।

नोएडा बस गैंगरेप मामले में चालक और खलासी पर आरोप तय

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक विशेष पॉक्सो अदालत ने नोएडा बस गैंगरेप मामले में आरोपी बस चालक और खलासी के खिलाफ अपहरण, बंधक बनाने और सामूहिक दुष्कर्म समेत गंभीर धाराओं में आरोप तय कर दिए हैं। विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो) सोनम गुप्ता ने दिल्ली पुलिस की ओर से करीब 400 पन्नों का आरोपपत्र दाखिल किए जाने के एक सप्ताह बाद यह आदेश दिया। अदालत ने आरोपियों को उस दलील को खारिज कर दिया, जिसमें पुलिस पर मीडिया दबाव में सबूत गढ़ने का आरोप लगाया गया था। अदालत ने कहा कि साक्ष्यों की विस्तृत जांच सुनवाई के दौरान की जाएगी। आरोपीद्वय कुलदीप और संदीप पर भारतीय न्याय संहिता (बीपनएस) के तहत अपहरण, गलत तरीके से बंधक बनाने, विवाह या यौन संबंध के उद्देश्य से अपहरण और सामूहिक दुष्कर्म के आरोप लगाए गए हैं। दोनों पर पॉक्सो अधिनियम की धारा 6 के तहत गंभीर यौन अपराध का आरोप भी है। विशेष लोक अभियोजक निम्मी सिसोदिया ने सुनवाई के दौरान कहा कि पीड़िता और अन्य गवाहों के बयान प्रथम दृष्टया अभियोजन के मामले का समर्थन करते हैं। अभियोजन के अनुसार, 11वीं कक्षा में पढ़ने वाली 16 वर्षीय छात्रा चार अगस्त की रात मैनपुरी से नोएडा अपने रिश्तेदार से मिलने जा रही थी। भारी बारिश के दौरान वह गलत जगह उतर गई और उसने एक स्लीपर बस को रुकने का इशारा किया। खलासी ने कथित तौर पर उसे बताया कि बस नोएडा सेक्टर-63 जा रही है। पुलिस के अनुसार बस ग्रेटर नोएडा की एक वर्कशॉप से मरम्मत के बाद लौट रही थी और उस समय खाली थी।

भारतीय मसाले अमेरिकी घरों में ‘भारतीयता का एक हिस्सा’ पहुंचा रहे: राजदूत कवात्रा

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन कवात्रा ने कहा है कि भारतीय मसाले अमेरिकी घरों में ‘भारतीयता का एक हिस्सा’ पहुंचा रहे हैं क्योंकि इनकी लोकप्रियता अब केवल स्वाद तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि सेहत, वेलनेस और रोजमर्रा की खान-पान की आदतों तक भी फैल गई है। कवात्रा ने कहा कि अमेरिका में भारतीय मसालों की बढ़ती मौजूदगी एक ऐसे सांस्कृतिक जुड़ाव को दिखाती है जो उनके कर्मशैल महत्व से कहीं अधिक है। इंडिया हाउस में भारतीय मसालों के सम्मान में आयोजित एक खास कार्यक्रम में कवात्रा ने कहा, ‘मुझे लगता है कि मसाले सिर्फ व्यापार से कहीं ज्यादा हैं। मेरे निजी जर्नल से ज्यादा ज्यादा बात यह है कि इन मसालों के जरिए हम अमेरिकी घरों तक भारतीयता का एक बहुत अहम हिस्सा पहुंचाते हैं।’

इस कार्यक्रम में अमेरिकन स्पाइस ट्रेड एसोसिएशन के सदस्य, फूड इंस्टीट्यूट के प्रतिनिधि और मेहमान भारतीय राजदूत के आवास पर इकट्ठा हुए। कवात्रा ने मसालों को भारतीय सभ्यता की एक ऐसी अटूट कड़ी बताया जो आज के भारतीय घरों के हजारों साल पुरानी पीढ़ियों से जोड़ती है। कवात्रा ने कहा, ‘मैं हमेशा लोगों से कहता हूँ और मेरा पक्का यकीन है कि अगर कोई एक चीज है जो हजारों साल पुरानी पीढ़ियों से भारतीय समाज



में नहीं बदली है, तो वह है मसाले। मैं वही मसाला इस्तेमाल करता हूँ जिसकी आदत मेरी मां ने मुझे डाली थी, उन्होंने वही मसाला इस्तेमाल किया जिसकी आदत उनकी मां ने उन्हें डाली थी, और यह कहानी पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ती रहती है।' कवात्रा ने कहा कि यह परंपरा अब भारत के बाहर भी अपनी जगह बना रही है। सबसे रोमांचक बात यह है कि इस विस्तार का नेटवर्क अब पूरी दुनिया में फैल गया है। राजदूत ने हल्दी का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे भारतीय जीवन का एक अहम हिस्सा रही यह चीज अब आधुनिक अमेरिकी फूड कल्चर का हिस्सा बन गई है। कवात्रा ने 2010 से 2013 के बीच वॉशिंगटन में अपनी पिछली पोस्टिंग को याद करते हुए कहा कि उन्हें उस समय अमेरिकी कैफे में हल्दी वाला लट्टे देखने को नहीं मिला था। उन्होंने

कहा, ‘मुझे याद नहीं है कि मैं अमेरिका में किसी कैफे में गया होऊँ और वहां हल्दी वाला लट्टे देखा हो। मुझे नहीं लगता कि यह कैफे के मेन्यू में शामिल था। ‘ कवात्रा ने अमेरिकी कैफे में इसकी हालिया लोकप्रियता की तुलना भारत में सदियों से हल्दी के इस्तेमाल और आयुर्वेद में इसकी अहमियत से की। उन्होंने कहा कि पारंपरिक भारतीय व्यवस्था में हल्दी ने ‘बहुत ही अहम और महत्वपूर्ण भूमिका’ निभाई है। आईएनएसएस के साथ एक अलग बातचीत में कवात्रा ने कहा कि भारतीय मसालों का इतिहास हजारों साल पुराना है और अमेरिकी लोग इनसे तेजी से परिचित हो रहे हैं। उन्होंने कहा, ‘हमारे लिए सबसे खुशी की बात यह है कि पिछले कुछ सालों में हम न सिर्फ अमेरिकी घरों तक भारतीय मसाले पहुंचा पाए हैं, बल्कि अमेरिकी समाज में भारतीय मसालों के समग्र और स्वास्थ्य संबंधी फायदे के बारे में भी समझा पाए हैं। इसलिए, अमेरिकी समाज में भारतीय मसालों का इस्तेमाल या उनका प्रसार सिर्फ खाने के स्वाद तक ही सीमित नहीं है। असल में, यह जिंदगी का स्वाद है क्योंकि यह आपके शरीर और आपकी समग्र सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। कवात्रा ने कहा कि मकसद यह था कि भारतीय मसाले अमेरिकी खान-पान की आदतों में गहराई से शामिल हो जाएं। उन्होंने कहा, ‘सोच यह है कि भारतीय मसाले न सिर्फ अमेरिकी

समाज में दूर-दूर तक फैलें बल्कि अमेरिकी खानपान की आदतों का भी हिस्सा बन जाएं।' राजदूत ने मसालों में बढ़ती दिलचस्पी को खाने-पीने के एक और मौजूदा ट्रेंड, ऑर्गेनिक उत्पादों की बढ़ती लोकप्रियता से भी जोड़ा। उन्होंने तर्क दिया कि जिसे आज आधुनिक और सेहतमंद खान-पान कहा जाता है, उसकी जड़ें अक्सर पुराने खान-पान के तरीकों में होती हैं। कवात्रा ने कहा, ‘मेरा मतलब है, हम कहते हैं कि ऑर्गेनिक फूड आजकल बहुत ट्रेंड में है। असल में ऑर्गेनिक फूड तो पुराना खाना है और पुराना सेहतमंद खाना है। तो एक तरह से आधुनिक ट्रेंड अपनी जड़ों की ओर लौटना है, कम से कम इस मामले में तो। खाने और मसालों के मामले में तो निश्चित रूप से ऐसा ही है। ‘ कवात्रा ने कहा कि ग्राहकों के साथ लंबे समय तक चलने वाला रिश्ता बनाने के लिए सिर्फ मसालों की मार्केटिंग काफी नहीं है। उनके इतिहास और खाने-पीने व जीवनशैली के साथ उनके रिश्ते को समझना जरूरी है।

उन्होंने कहा, ‘यह मेरी परवरिश का हिस्सा है। और मुझे नहीं लगता कि आप मसालों की मार्केटिंग उस तरह से कर सकते हैं।' भारतीय मसाले सदियों से दुनिया के अलग-अलग हिस्सों तक पहुंचे हैं। दुनिया के दूसरे देशों के साथ भारत के ऐतिहासिक व्यापारिक और सांस्कृतिक संबंधों में इन्होंने अहम भूमिका निभाई है।

लॉस एंजिल्स से सैन डिएगो तक... अमेरिका के इन 13 शहरों पर एक साथ हमला कर सकता है ईरान

लॉस एंजिल्स, एजेंसी। अमेरिका के कम से कम 13 शहरों पर ईरान हमला कर सकता है. राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को इसकी आशंका है, जिसके बाद इन शहरों की सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं. मंगलवार (6 अक्टूबर) को एक रेली में ट्रंप ने कहा कि ईरान लॉस एंजिल्स और सैन डिएगो पर हमला करना चाहता है. उन्हें कोशिश करने दीजिए. हम अपनी सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त कर रहे हैं. ट्रंप ने आगे कहा कि शहरों को सुरक्षित रखने के लिए हम कुछ ज्यादा खर्च कर रहे हैं. यह कुछ दिनों की बात है. ट्रंप का यह बयान ऐसे वक्त में सामने आया है, जब ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड ने अमेरिका के शहरों पर हमले की चेतावनी दी है. इतना ही नहीं, ईरान की चेतावनी के बाद अमेरिका ने ब्रिटेन के फेयरफोर्ड से अपने बी-2 बॉम्बर वापस बुला लिए हैं. यहां ईरान ने ड्रोन हमले की चेतावनी दी थी.

हमले की जद में अमेरिका का ये 13 शहर : अमेरिका की संघीय सरकार ने उच्च जोखिम वाले शहरी क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए बजट बढ़ाने का फैसला किया है. जिन शहरों की सुरक्षा व्यवस्था

पर ज्यादा खर्च करने का फैसला किया गया है, उनमें राजधानी वाशिंगटन डीसी, न्यूयॉर्क सिटी, ह्युस्टन, शिकागो, अटलांटा, बोस्टन, डेनवर, मियामी, न्यू ऑरलियन्स, फीनिक्स/मैरिकोपा काउंटी, सैन फ्रांसिस्को खाड़ी क्षेत्र, सिएटल और लॉस एंजिल्स शामिल हैं. अमेरिका ने 2010 की एक जीएसओ रिपोर्ट के आधार पर इन शहरों की सुरक्षा व्यवस्था को बढ़ाने का फैसला किया है. इस रिपोर्ट में कहा गया था कि अमेरिका का ये 13 शहर अतर्कियों की रडार पर है. ईरान ने कुछ महीने पहले ब्रिटेन के फेयरफोर्ड बेस पर हमले की चेतावनी दी थी. पिछले हफ्ते ईरान से जुड़े 5 लोगों को बेस के पास रेकी करते हुए देखा गया. डेली मेल के मुताबिक ईरान इस बेस पर ड्रोन हमला करना चाहता था, जिससे अमेरिका का बी-2 बॉम्बर वापस बुला लिए हैं. इस जा संके. अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रबियो ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि ईरानी खतरे को देखते हुए यह फैसला लिया गया. यानी अमेरिका को लगता है कि ईरान इस वक्त कोई भी प्रॉक्सी हमला करा सकता है।

भारत में नेपाल-बांग्लादेश जैसी अराजकता फैलाना चाहती है कांग्रेस

-भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी का आरोप- राहुल सत्ता में आने के लिए बेताब

नई दिल्ली, एजेंसी।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के विरोध प्रदर्शन को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सड़क पर प्रदर्शन के जरिए भारत में नेपाल और बांग्लादेश जैसी अराजकता फैलाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी सत्ता में आने के लिए बेताब हैं और विरोध प्रदर्शन के जरिए देश में अशांति पैदा करना चाहते हैं।

भाजपा प्रवक्ता भंडारी ने बुधवार के प्रदर्शन से जुड़े कुछ वीडियो फुटेज दिखाते हुए आरोप लगाया कि राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दिल्ली पुलिस के साथ धक्का-मुक्की की। उन्होंने दावा किया कि एक वीडियो में कांग्रेस कार्यकर्ता पुलिसकर्मी को धक्का देते और लात मारते दिखाई दे रहे हैं। दूसरे वीडियो के आधार पर उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी राहुल गांधी से शांतिपूर्ण



प्रदर्शन करने की अपील कर रहे थे, लेकिन राहुल ने पुलिसकर्मी को धक्का दिया। भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी पुलिस के साथ टकराव का वीडियो बनाने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने एक अन्य वीडियो का हवाला देते हुए प्रियंका गांधी वाड़ा पर भी पुलिसकर्मियों को धक्का देने की कोशिश करने का आरोप लगाया। भंडारी ने कहा कि निर्वाचन आयोग से जुड़ा मामला पहले से ही सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है और सड़क पर किए जा रहे प्रदर्शन का न्यायिक प्रक्रिया पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल

गांधी विरोध प्रदर्शन के जरिए सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर दबाव डालने और न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ अंतर्राष्ट्रीय ताकतें राहुल गांधी के साथ मिलकर भारत में अशांति पैदा करने की कोशिश कर रही हैं। भंडारी ने कहा कि भारत का लोकतंत्र मजबूत और सुरक्षित है। उन्होंने राहुल गांधी के राजनीतिक उद्देश्य पर मतदाता उठते हुए कहा कि उनका मकसद लोकतंत्र नहीं बल्कि परिवार को फिर से सत्ता में लाना है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत का ओआईसी पर तीखा प्रहार: पीड़ित-दोषी में फर्क समझें

नई दिल्ली, एजेंसी।

संयुक्त राष्ट्र में भारत ने इस्लामी सहयोग संगठन (ओआईसी) की जम्मू-कश्मीर और पाकिस्तान में भारत की आतंकवाद-रोधी कार्रवाइयों पर की गई टिप्पणियों को सिर्रे से खारिज किया, यह कहकर कि यह समूह पीड़ित और दोषी के बीच फर्क करने में असमर्थ है। पश्चिम त्रिपुरा से लोकसभा सदस्य बिप्लब कुमार देब ने संयुक्त राष्ट्र महासभा की छठी समिति में अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद के उन्मूलन के उपाय विषय पर भारत का राष्ट्रीय वक्तव्य देकर ओआईसी को कड़ी नसीहत दी। लोकसभा सदस्य देब ने जम्मू-कश्मीर के उल्लेख पर कड़ी आपत्ति जताकर स्पष्ट



किया कि पाकिस्तान और पाकिस्तान के

कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ढांचों

के खिलाफ भारत की कार्रवाई उन्हीं स्थानों से निर्देशित और योजनाबद्ध हमलों का जवाब थी। ओआईसी पर तथ्यों और कल्पनाओं के बीच अंतर न कर पाने का आरोप लगाकर उन्होंने कहा कि भारत को सीमा पर आतंकवाद से अपने लोगों की रक्षा का पूरा अधिकार है। उन्होंने ओआईसी द्वारा जम्मू-कश्मीर के अनुचित उल्लेख की आलोचना कर पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले रावलकोट पर ध्यान देने की सलाह दी, जहाँ अंधाधुंध हत्याएं और मानवाधिकारों का हनन स्पष्ट है। ओआईसी ने अपने बयान में दक्षिण एशिया में सैन्य तनाव बढ़ने और पाकिस्तान में अनुचित हमलों का जिक्र

किया, पर भारत का नाम नहीं लिया। भारत ने पिछले साल मई में ऑपरेशन सिंदूर शुरू कर पाकिस्तान और पीओके में आतंकवादी ढांचों को निशाना बनाया था। यह कार्रवाई जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पिछले साल 22 अप्रैल को हुए जघन्य आतंकवादी हमले, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे, का सीधा जवाब थी। हमला पाकिस्तान स्थित द रेंजिस्टर्स फ्रंट ने किया था। देब ने भारत के कड़वे अनुभव को साझा कर कहा कि आतंकवाद एक लगातार और मारक रोजमर्रा की वास्तविकता है। उन्होंने जोर दिया कि इसका हर रूप मानवता के एशिया में सैन्य तनाव बढ़ने और पाकिस्तान में अनुचित हमलों का जिक्र

करता है। स्पष्ट किया कि अच्छे-बुरे आतंकवाद में कोई फर्क नहीं, और प्रधानमंत्री मोदी की उस टिप्पणी को दोहराया कि एक व्यक्ति की जान जाना भी बहुत बड़ी क्षति है। उन्होंने आतंकवादी संघटनों द्वारा भर्ती, कहराता और हमलों की योजना बनाने के लिए उपभूती प्रौद्योगिकियों के तेजी से इस्तेमाल पर चिंता जताई। वैश्विक आतंकवाद-रोधी प्रयासों की प्रमुख कमी के तौर पर 1996 में प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद के व्यापक सम्मेलन (सीसीआईटी) के लागू न होने का उल्लेख किया। देब ने दोहराया कि सीसीआईटी को शीघ्र अंतिम रूप दिए जाने से कानूनी ढांचा मजबूत होगा।

यूक्रेन की नाटो सदस्यता पर अभी नहीं हो रहा कोई विचार: मार्को रबियो

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रबियो ने कहा कि फिलहाल यूक्रेन की नाटो (उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) सदस्यता पर कोई विचार नहीं हो रहा है क्योंकि अमेरिका रूस के साथ युद्ध को खत्म करने की कोशिशों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। रबियो ने इस लड़ाई के आगे बढ़ने के तरीके पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि वॉशिंगटन हालात के ‘ट्रेंड’ पर नजर रख रहा है और ऐसा नहीं लग रहा कि लड़ाई खत्म होने की तरफ बढ़ रही है। रबियो ने कहा, ‘जैसा कि आप जानते हैं, अभी यूक्रेन की नाटो सदस्यता पर कोई बात नहीं हो रही है, क्योंकि इसके लिए आम सहमति बनाने की प्रक्रिया से गुजरना जरूरी है। वे रेक्याविक में आइसलैंड की विदेश मंत्री थोरेगेरदुर कैट्रिन गुनार्सडॉटिर के साथ एक जॉइंट मीडिया ब्रीफिंग में बोल रहे थे। जब यूक्रेन के नाटो में शामिल होने पर उनकी राय पूछी गई, तो रबियो ने कहा कि इसका कोई सीधा ‘हां’ या ‘ना’ में जवाब नहीं है। रबियो ने कहा, ‘अभी हमारा पूरा ध्यान यूक्रेन के मामले में इस लड़ाई को खत्म करने पर है, अगर ऐसा मुमकिन हो तो। इतनी बड़ी संख्या में लोगों की जान जाना दुःख है। हमने साफ कहा है कि अगर इस युद्ध को खत्म करने में हम कोई भूमिका निभा सकते हैं, तो हम एक सकारात्मक भूमिका निभाना चाहेंगे।’ रबियो ने संकेत दिया कि वॉशिंगटन मौजूदा हालात को लेकर निश्चित है। उन्होंने कहा, ‘हम जाहिर तौर पर वहां के हालात के

ट्रेंड पर नजर रख रहे हैं और देख रहे हैं कि अभी मामला उस दिशा में नहीं बढ़ रहा है। उन्होंने ये बातें एक ऐसी चर्चा के दौरान कहीं जिसमें यूक्रेन के अलावा आर्कटिक और ‘हाई नॉर्थ’ (सुदूर उत्तर) इलाकों में बढ़ती सुरक्षा चिंताओं पर भी बात हुई। रबियो ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के बदलते माहौल ने इस इलाके पर वॉशिंगटन का ध्यान फिर से खींचा है। 2006 में आइसलैंड में लंबे समय से मौजूद अमेरिकी सेना को कहीं और भेजे जाने के बाद ऐसा हुआ था। उन्होंने कहा, ‘असंलियत यह है कि पिछले 20 सालों में दुनिया बदल गई है। हमारा ध्यान भी बदल गया है। अब आर्कटिक पर बहुत ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है। रबियो ने आइसलैंड की यूरोप और अमेरिका, दोनों की सुरक्षा के लिए रणनीतिक रूप से अहम बताया क्योंकि इसकी भौगोलिक स्थिति खास है। उन्होंने कहा कि वॉशिंगटन रैकजाविक के साथ और सहयोग पर बातचीत करने के लिए तैयार रहेगा। उन्होंने कहा, ‘मुझे लगता है कि अपनी भौगोलिक स्थिति की वजह से आइसलैंड और उसकी लोकेशन यूरोप और अमेरिका, दोनों की सुरक्षा में अहम भूमिका निभाती है। सेक्रेटरी ऑफ स्टेट ने कहा कि ‘हाई नॉर्थ’ में सुरक्षा चिंताएं सिर्फ पारंपरिक सैन्य खतरों तक सीमित नहीं हैं। उन्होंने गुप्त गतिविधियों, समुद्र के नीचे बिछे केबलों और शिपिंग लेन को होने वाले खतरों और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े आर्थिक व व्यावसायिक चुनौतियों का जिक्र किया।



ने सजा को अमल में लाने की दिशा में जरूरी प्रक्रियाएं शुरू कर दी हैं। कार्यवाहक सेना संचिव एडम टेल के मुताबिक, सजा टेक्सास के फोर्ट हुड सैन्य अड्डे पर हो दी जाएगी, जहां हसन ने 2009 में इस जानलेवा हमले को अंजाम दिया था।

मेडिकल जांच कराने पहुंचे सेनिकों पर बरसाई थीं गोलियां : नवंबर 2009 में निडाल हसन फोर्ट हुड के एक मेडिकल भवन में पहुंचा था। उस समय वहां सैनिक अपनी स्वास्थ्य जांच कराने के

लिए मौजूद थे। हसन ने अचानक गोलीबारी शुरू कर दी। हमले के दौरान उसने ‘अल्लाहु अकबर’ कहा, जिसका अर्थ है ‘इश्वर महान है’। उसने लेजर साइट वाली पिस्तौल से गोलियां चलाईं। इस हमले में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। इस घटना ने पूरे अमेरिका को झकझोर कर रख दिया था। क हसन अमेरिकी सेना में मनोचिकित्सक के पद पर तैनात था। मुकदमे के दौरान उसने अपने बचाव में बहुत कम दलीलें दीं। उसने जूरी से कहा था कि सबूत यह साबित कर देगे कि गोली चलाने वाला वही था। उसने खुद को ऐसा सैनिक बताया था, जिसने अपना पक्ष बदल लिया है। हसन ने 3 यह भी कहा था कि उसका मकसद सैनिकों को अफगानिस्तान जाने और वहां अपने साथी मुसलमानों को मारने से रोकना था। उसके इस

बयान ने मामले को और भी संवेदनशील बना दिया था। राष्ट्रपति ट्रंप की मंजूरी मिलने के बाद भी हसन की सजा पर अमल करना इतना आसान नहीं है। अमेरिकी सैन्य कानून के तहत जरूरी प्रक्रियाएं पूरी करनी होंगी। इसके अलावा, हसन के पास नागरिक संघीय अदालत में हैबियस कॉर्पस याचिका दायर करने का विकल्प भी है। इस कानूनी प्रक्रिया के जरिए वह अपनी हिरासत या सजा को चुनौती दे सकता है। मई में ‘आर्मी लॉयर्’ पत्रिका में प्रकाशित एक लेख के मुताबिक, अगर हसन इस रास्ते का इस्तेमाल करता है, तो फांसी की प्रक्रिया रुक सकती है और मामला कई साल तक खिंच सकता है। ऐसे में 3 दिसंबर की तारीख तय होने के बावजूद यह देखना बाकी है कि सजा निर्धारित समय पर दी जा सकेगी या नहीं।

आंध्र प्रदेश में मतदाता सूची से हटाए गए 46 लाख नाम

अब घर-घर जाकर होगा सत्यापन

हैदराबाद, एजेंसी।

एनडीए शासित राज्य आंध्र प्रदेश में मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग ने एक बड़ा और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। आयोग गुरुवार, 8 अक्टूबर से राज्य में एक विशेष अभियान शुरू करेगा। इस अभियान के तहत, ड्राफ्ट मतदाता सूची से हटाए गए 46.62 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम और उनकी वर्तमान स्थिति का दोबारा सत्यापन घर-घर जाकर किया जाएगा। आंध्र प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी विवेक यादव ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र मतदाता मतदाता सूची से बाहर न रह जाए और सभी योग्य नागरिकों को उनके मतदाधिकार का प्रयोग करने का अवसर मिले।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी के अनुसार, बूथ लेवल अधिकारी अपने-अपने मतदाताओं के संबंधित 46,62,583 हटाए गए मतदाताओं की सूची लेकर घर-घर जाएंगे और उनकी वास्तविक स्थिति

का दोबारा सत्यापन करेंगे। यह विस्तृत जांच इसलिए की जा रही है क्योंकि विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान 15 जून से 24 जुलाई के बीच हुई गणना के बाद 44.8 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची से हटा दिए गए थे। अधिकारियों को ये लोग उनके दर्ज पते पर नहीं मिले थे। चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि यदि सत्यापन के दौरान यह सामने आता है कि किसी पात्र मतदाता का नाम गलती से हटा दिया गया है, तो उसे फॉर्म-6 भरने में पूरी मदद की जाएगी। जरूरी सत्यापन के बाद उसका नाम निरंतर अपडेट प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा। विवेक यादव ने जोर देकर कहा कि आयोग का उद्देश्य पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल करना और अपात्र नामों को बाहर रखना है। ड्राफ्ट मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद नोटिस प्रक्रिया के दौरान 6 अक्टूबर तक 1.73 लाख और मतदाता ऐसे पाए गए, जो अंतिम मतदाता सूची में शामिल होने

के लिए पात्र नहीं थे। इन नामों को भी हटया जाएगा। आंध्र प्रदेश की अंतिम मतदाता सूची 16 अक्टूबर को प्रकाशित की जानी है। इससे पहले, बीएलओ की घर-घर जाकर की गई गणना के बाद मृत, दूसरी जगह जा चुके और एक से अधिक जगह दर्ज मतदाताओं के नाम हटाए गए थे, जिसके बाद 31 जुलाई को ड्राफ्ट मतदाता सूची प्रकाशित की गई थी। इस ड्राफ्ट सूची में राज्य में कुल मतदाताओं की संख्या 3.7 करोड़ से अधिक थी। एसआईआर 2026 के तहत अंतिम मतदाता सूची 16 अक्टूबर को जारी की जाएगी। वहीं, वार्षिक संक्षिप्त पुनरीक्षण के लिए अगले वर्ष की 1 जनवरी को क्रांतिफाइन तारीख माना जाता है। 16 अक्टूबर को जारी होने वाली अंतिम सूची में अगर किसी पात्र मतदाता का नाम छूट जाता है, या बाद की किसी क्रांतिफाइन तारीख पर कोई व्यक्ति मतदाता बनने के योग्य होता है, तो वह निरंतर अपडेट प्रक्रिया के दौरान फॉर्म-6 जमा कर सकता है।